रविवार, 23 अगस्त, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

मिचेल स्टार्क वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

दीपिका ने प्रणय रेड्डी वांगा के दावों वाली पोस्ट को किया लाइक

Page-05

'मुझे चीनी मत कहो, भारतीय कहो'— अरुणाचल की मासूम टिंकल का जवाब सोशल मीडिया पर छाया

अरुणाचल प्रदेश की एक छोटी बच्ची ने पहचान, भेदभाव और भारतीय होने का क्या मतलब है, इस पर एक ज़बरदस्त चर्चा छेड़ दी है। यह सब तब हुआ जब उसके लुक को लेकर की गई एक आम सी टिप्पणी से उसे दुख पहुँचा। ईटानगर की रहने वाली टिंकल करगा गोंगो तब इंटरनेट पर छा गईं, जब उन्होंने एक व्यक्ति को कड़ा जवाब दिया जिसने उन्हें "चीनी" कहा था। उनका सीधा-सा संदेश — "मुझे चीनी मत कहो, मुझे भारतीय कहो" — सोशल मीडिया पर हज़ारों लोगों के दिल को छू गया। टिंकल गोंगो ने पत्रकारों को बताया कि उनका वायरल वीडियो कैसे बना: "एक भैया ने मुझे चीनी कहा, तो मैंने उनसे कहा, 'मुझे चीनी मत कहो, मुझे भारतीय कहो'।" उन्होंने वीडियो में "जन गण मन" भी गाया, जिससे एक असंवेदनशील टिप्पणी से बच्ची को हुए दुख की घटना, उसकी भारतीय पहचान के मज़बूत दावे में बदल गई। टिंकल करगा गोंगो कहते हैं, "हमें चीनी मत कहिए। हमें भारतीय कहिए। इससे मुझे गुस्सा आता है..." टिंकल कार्गा गोंगो के पिता ने कहा कि वीडियो बनने के कुछ दिनों बाद हमें सोशल मीडिया से इसके बारे में पता चला... हर तरफ से फ़ोन आ रहे हैं... लोग मेरी बेटी का इंटरव्यू लेने के लिए फ़ोन कर रहे हैं... चाहे बच्चा हो या बड़ा, किसी को भी ऐसी बातें नहीं कहनी चाहिए। उनकी माँ के अनुसार, परिवार को कभी उम्मीद नहीं थी कि वीडियो इतना ध्यान खींचेगा। यह वीडियो असल में तब आम तौर पर रिकॉर्ड किया गया था जब कार्गा टिंकल आइसक्रीम खरीद रही थीं। बाद में यह वीडियो ऑनलाइन पोस्ट किया गया। फिर, एक सोशल मीडिया यूज़र ने कमेंट किया: यह चीनी बच्ची हिंदी क्यों बोल रही है? और इस सवाल ने पोस्ट का मिज़ाज ही बदल दिया। उनकी माँ ने बच्ची को बताया कि किसी ने उसे चीनी बच्ची कहा है। कार्गा टिंकल परेशान हो गईं।

PM मोदी की नए BJP पदाधिकारियों से मुलाकात

'वंदे मातरम्' को लेकर कांग्रेस पर निशाना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों से मुलाकात की। इस दौरान संगठन की आगामी रणनीति, युवाओं से संवाद और आने वाले चुनावों की तैयारियों को लेकर चर्चा हुई। इससे पहले भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने भी राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ बैठक की और पार्टी के संगठनात्मक विस्तार पर जोर दिया।सूत्रों के मुताबिक, भाजपा आने वाले दिनों में युवाओं के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए बड़े स्तर पर आउटरीच कार्यक्रम शुरू करने की तैयारी कर रही है। पार्टी का विशेष फोकस 14 वर्ष और उससे अधिक उम्र के युवाओं तक पहुंच बनाने पर है। इसके लिए ऐसे अभियानों की रूपरेखा तैयार की जा रही है, जिनके जरिए युवाओं से सीधे संवाद स्थापित किया जा सके और उन्हें पार्टी की विचारधारा तथा केंद्र सरकार की योजनाओं से जोड़ा जा सके।बैठक में युवाओं के साथ लगातार संवाद को संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल करने पर जोर दिया गया। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि युवा वर्ग के मुद्दों, अपेक्षाओं और विचारों को समझना आने वाले समय में राजनीतिक और संगठनात्मक रूप से महत्वपूर्ण होगा।इसी बैठक में भाजपा ने 'वंदे मातरम्' को लेकर भी एक प्रस्ताव पारित किया। पार्टी ने कांग्रेस कार्य समिति के उस फैसले की आलोचना की, जिसमें कांग्रेस के कार्यक्रमों में राष्ट्रगीत के केवल शुरुआती दो अंतरे गाने की व्यवस्था को दोहराया गया है।भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि पार्टी 'वंदे मातरम्' की ऐतिहासिक विरासत और महत्ता को देश के हर हिस्से तक पहुंचाने के लिए अभियान चलाएगी। उन्होंने कांग्रेस के 19 अगस्त 2026 के फैसले का विरोध करते हुए कहा कि राष्ट्रगीत के सम्मान से राजनीतिक सुविधा या तुष्टीकरण के नाम पर कोई समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।भाजपा के प्रस्ताव में कहा गया कि किसी भी राजनीतिक दल का फैसला देश की संवैधानिक संस्थाओं और कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता। पार्टी ने 1937 के राजनीतिक संदर्भ का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय लिया गया कोई फैसला 1950 के संवैधानिक प्रावधानों या मौजूदा कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता।नितिन नवीन ने कहा कि भाजपा 'वंदे मातरम्' को राजनीतिक दबाव, तुष्टीकरण या वोट बैंक की राजनीति का विषय बनाए जाने का विरोध करती है। पार्टी ने राष्ट्रगीत की ऐतिहासिक भूमिका और सम्मान को लेकर देशव्यापी अभियान चलाने का ऐलान भी किया है।इस बीच प्रधानमंत्री मोदी की राष्ट्रीय पदाधिकारियों के साथ बैठक को आगामी चुनावों से पहले संगठन को मजबूत करने की दिशा में अहम माना जा रहा है। पार्टी की बैठकों में संगठन विस्तार, युवा संपर्क और राज्यों में चुनावी तैयारियों को लेकर आगे की रणनीति पर चर्चा जारी रहने की संभावना है।

मायावती के आरोपों पर अखिलेश यादव का पलटवार, बोले- सपा ने कभी गठबंधन नहीं तोड़ा

समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को बहुजन समाज पार्टी सुप्रीमो मायावती के उन आरोपों पर पलटवार किया, जिनमें उन्होंने सपा पर गठबंधन की राजनीति का इस्तेमाल अपने फायदे के लिए करने का आरोप लगाया था। अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने कभी गठबंधन नहीं तोड़ा और हमेशा अपने सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने की कोशिश की है।मायावती ने अपने बयान में 1995 की लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस घटना का भी जिक्र किया था। यह वह दौर था जब उत्तर प्रदेश में मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व वाली सपा सरकार को बसपा का समर्थन हासिल था। बाद में बसपा ने सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। इसी दौरान लखनऊ के स्टेट गेस्ट हाउस में मायावती के साथ कथित दुर्व्यवहार और हमले की घटना सामने आई थी। इस घटना ने दोनों दलों के रिश्तों में लंबे समय तक कड़वाहट पैदा की।मायावती ने इसी पुराने घटनाक्रम का हवाला देते हुए सपा की गठबंधन राजनीति पर सवाल उठाए। जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि सपा की नीति हमेशा सहयोगियों को साथ लेकर चलने की रही है। दोनों नेताओं के बीच यह बयानबाजी ऐसे समय में सामने आई है, जब उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक गठबंधनों और संभावित समीकरणों को लेकर चर्चा तेज है।

स्टालिन ने उम्र और कार्यकाल पर लगाई सीमा

चुनावी हार के बाद DMK में बड़ा संगठनात्मक बदलाव

DMK अपने संगठन में बड़े बदलाव करने जा रही है। पार्टी अध्यक्ष एमके स्टालिन ने पार्टी पदाधिकारियों के लिए नए नियम और ज़िला स्तर पर एक बड़ा ढांचा बनाने की घोषणा की है। ये बदलाव तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के कुछ महीनों बाद हो रहे हैं। इस हार के कारण स्टालिन का मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यकाल भी खत्म हो गया था। DMK की कार्यकारी समिति ने पार्टी के आगामी 16वें संगठनात्मक चुनावों के तहत इन प्रस्तावों को मंज़ूरी दे दी है। स्टालिन ने कहा कि पार्टी को चुनावी हार की वजहों पर चर्चा करने से बचने के बजाय अपनी कमियों पर गौर करना चाहिए। उन्होंने खास तौर पर पार्टी के पदाधिकारियों के कामकाज का ज़िक्र किया और कहा कि व्यक्तिगत स्तर पर हुई गलतियों का असर पूरे संगठन पर पड़ सकता है। स्टालिन ने कहा कि हालांकि हमारी हार की कई वजहें हैं, लेकिन पार्टी पदाधिकारियों का कामकाज भी उनमें से एक है। हमें इसे छिपाने की ज़रूरत नहीं है। हमें सबसे पहले अपनी गलतियों को मानना होगा। हमें उन्हें खुलकर स्वीकार करना होगा। भले ही गलती किसी एक व्यक्ति ने की हो, लेकिन उसका नुकसान 75 साल पुरानी पार्टी को उठाना पड़ता है। उन्होंने DMK को वापसी करने में सक्षम पार्टी बताया और कहा कि वह राजनीतिक रूप से फिर से अहम भूमिका में आएगी। DMK प्रमुख ने कहा कि पार्टी मूलधन और ब्याज समेत इसका जवाब देगी। एक अहम बदलाव पार्टी के पदों के लिए उम्र और कार्यकाल की संख्या पर पाबंदियां लगाना होगा। स्टालिन ने कहा कि इस पुनर्गठन से युवा लोग संगठन के पदों पर आएंगे और पार्टी को लंबे समय तक प्रासंगिक बने रहने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि मैंने DMK के प्रशासनिक ढांचे में कई बदलाव करने का फ़ैसला किया है। ये बदलाव कड़े होंगे। इससे कुछ लोग निराश हो सकते हैं, लेकिन यह अच्छे मकसद के लिए होगा। मैं सभी के सहयोग की अपील करता हूं। इन बदलावों से DMK अगले

100 सालों तक मज़बूती से बनी रहेगी। हमारे कामों का मकसद युवाओं और महिलाओं का भरोसा फिर से जीतना होना चाहिए। हम पार्टी के पदों के लिए उम्र और कार्यकाल की सीमा तय कर रहे हैं। पार्टी के पदों के लिए नए चेहरों को प्राथमिकता दी जाएगी। नई व्यवस्था के तहत, ब्रांच सेक्रेटरी की उम्र 45 साल या उससे कम होनी चाहिए और वे ज़्यादा से ज़्यादा दो कार्यकाल तक ही इस पद पर रह सकते हैं।

अभिजीत दीपके समेत 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

महाराष्ट्र के लातूर जिले की औसा तहसील से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिला परिषद के उर्दू प्राथमिक स्कूल में अनाधिकृत रूप से प्रवेश कर छात्रों के बीच बैठने, शिक्षकों के काम में बाधा डालने और बिना अनुमति वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोप में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के अध्यक्ष समेत कई लोगों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी के मुताबिक, यह घटना 20 अगस्त को दोपहर करीब 1:15 बजे हुई। कॉकरोच जनता पार्टी के अध्यक्ष अभिजीत दीपके, अजिंक्य शिंदे और उनके साथ आए 4 से 5 अज्ञात लोग अचानक जिला परिषद की उर्दू शाला में घुस गए। आरोप है कि इन लोगों ने कक्षाओं में जाकर विद्यार्थियों के बीच बैठकर उनसे तरह-तरह के सवाल पूछना शुरू कर दिया। इस दौरान उन्होंने स्कूल प्रशासन की कोई अनुमति नहीं ली और शिक्षकों के शैक्षणिक व शासकीय काम में सीधा व्यवधान उत्पन्न किया।

पुणे में राहुल गांधी का छात्राओं से संवाद

बोले- भारत की सबसे बड़ी ताकत हैं देश की महिलाएं

पुणे में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में छात्राओं से जुड़े तमाम मुद्दों पर बात की। कार्यक्रम के दौरान हजारों की संख्या में छात्राएं शामिल हुईं और उन्होंने राहुल गांधी के समर्थन में नारे लगाए। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने देश की महिलाओं को देश की सबसे बड़ी पूंजी बताया। कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा, "मेरा पुणे में शानदार स्वागत करने के लिए धन्यवाद। मैं यहां लेक्चर देने नहीं आया हूं, ना ही ये बताने आया हूं कि मैं क्या सोचता हूं। मैं आपसे राजनीति पर बात करने भी नहीं आया हूं। मैं चाहता हूं कि आप खुद को एक्सप्रेस करें, आप क्या सोचते हैं, आप क्या कहना चाहते हैं, ये बताएं। हम यंग लेडीज के साथ आईडियाज भी डिसकस करेंगे।" राहुल गांधी ने कहा, "मैं आप सभी का यहां स्वागत करता हूं। पहली बार शायद मुझे लड़के कम दिख रहे हैं या दिख ही नहीं रहे और लड़कियां दिखाई दे रही हैं। मैं आपको सबसे पहले कुछ रिमाइंड करवाना चाहता हूं। आप सभी में हर एक इस यूनिवर्स में यूनिक है। आप स्पेशल हैं। आपके पास जीवन के लिए विजन है।" राहुल गांधी ने कहा, "इंडिया की सबसे बड़ी ताकत क्या है? कोई कहेगा- इकोनॉमी, कोई कहेगा- हमारी मिलिट्री, कोई कहेगा- हमारा मेडिकल सिस्टम, कोई कहेगा- हमारे लोग, लेकिन मैं पूरी तरह क्लीयर हूं कि भारत की सबसे बड़ी ताकत क्या है, वो हैं हमारे देश की 70 करोड़ यूनिक महिलाएं। कुछ कहेंगे कि ऐसा कैसे? महिलाएं अपने स्वभाव से ज्यादा सेंसटिव हैं, ज्यादा सज्जन हैं, ज्यादा

कंपेसिनेट हैं और पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा फॉरवर्ड हैं।" राहुल गांधी ने कहा, "इंडिया की महिलाएं यंग हैं। वह भारत की सबसे बड़ी पूंजी हैं। लेकिन एक समस्या है कि जब भी हम किसी पुरुष से बात करते हैं तो महिलाओं को 3 बॉक्सेज में रखा जाता है। पहला है बेटी, दूसरा है पत्नी और तीसरा है मां। इसमें कुछ भी गलत नहीं है लेकिन ये आपकी केवल एक आइडेंटिटी नहीं हो सकती। हमारे देश में प्रतिभाशाली महिलाएं हैं।"

हिन्दी जगत महामंच
www.tvbharatvarsh.in
भारतवर्ष
सच्ची खबर, सीधे आपके लिए
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर
प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साइज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ईरान-अमेरिका युद्ध पर बड़ा मोड़!

राष्ट्रपति पेज़ेशकियन ने कहा- 'अब संघर्ष खत्म करने का वक्त'

ईरान और अमेरिका के बीच महीनों से जारी सैन्य तनाव के बीच बातचीत की कोशिशें फिर तेज होती दिख रही हैं।ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने ताकत और सम्मान की स्थिति में युद्ध खत्म करने की अपील की है।

ईरान और अमेरिका के बीच जारी संघर्ष को लेकर एक बार फिर बड़ा बयान सामने आया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने अमेरिका के साथ महीनों से चल रहे युद्ध को खत्म करने की अपील की है। उनका कहना है कि मौजूदा परिस्थितियों में संघर्ष को समाप्त करना ईरान के हित में होगा, क्योंकि उनका देश अब भी ताकत और सम्मान की स्थिति में है। पेज़ेशकियन का यह बयान ऐसे समय आया है जब तेहरान और वॉशिंगटन के बीच बातचीत दोबारा शुरू कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।अल जज़ीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, शुक्रवार को डॉक्टरों के साथ हुई एक बैठक में पेज़ेशकियन ने कहा कि ईरान को अब युद्ध समाप्त करने के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि पूरी दुनिया ईरान की जीत को स्वीकार कर रही है और अमेरिका की कार्रवाई की आलोचना हो रही है। पेज़ेशकियन ने अमेरिका पर ईरान के स्कूलों, अस्पतालों और बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने का आरोप भी लगाया।ईरानी राष्ट्रपति की ओर से संघर्ष खत्म करने की अपील के बावजूद देश का सैन्य नेतृत्व अपने रुख में नरमी के संकेत नहीं दे रहा है। ईरान के सशस्त्र बलों के चीफ ऑफ स्टाफ मेजर-जनरल अली अब्दुल्लाही ने कहा कि सेना जमीन, समुद्र, हवा, वायु रक्षा और साइबर क्षेत्र में पूरी तरह तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर ईरान के सामने कोई नई धमकी आती है तो उसका जवाब बेहद कड़ा और निर्णायक होगा।इस बीच पेज़ेशकियन ने वॉशिंगटन के साथ जून में हुए समझौते का भी बचाव किया है। ईरानी संसद के कट्टरपंथी नेताओं ने इस समझौते की आलोचना करते हुए सरकार पर अमेरिका के सामने झुकने का आरोप लगाया था। हालांकि पेज़ेशकियन ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि समझौते में ऐसी कोई शर्त नहीं है जिससे यह साबित हो कि ईरान ने आत्मसमर्पण किया है। उनके मुताबिक, समझौते में किए गए वादे मुख्य रूप से दूसरे पक्ष से जुड़े हैं।बीबीसी के अनुसार, पेज़ेशकियन को ईरानी राजनीतिक व्यवस्था में सुधारवादी नेताओं में गिना जाता है। ऐसे में उनका युद्ध खत्म करने का आह्वान ईरान की घरेलू राजनीति के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान की समझौते की इच्छा पर संदेह जताया है। ट्रंप ने कहा कि ईरान बातचीत करना तो चाहता है, लेकिन उनके मुताबिक वह अभी सही समझौते के लिए तैयार नहीं है। ट्रंप ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य के आसपास अमेरिकी नियंत्रण का भी उल्लेख किया और संकेत दिया कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प अभी खुले हुए हैं।कुल मिलाकर, पेज़ेशकियन का युद्ध खत्म करने का बयान बातचीत की संभावनाओं को जरूर बढ़ाता है, लेकिन ईरानी सैन्य नेतृत्व और ट्रंप के बयानों से साफ है कि तनाव अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है।

मार्क कार्नी ने अमेरिका के साथ चल रही व्यापार वार्ता को रोक दिया

कनाडा और अमेरिका के बीच एक बार फिर से ट्रेड वॉर शुरू हो गया है। शुक्रवार रात को आखिरी समय में कनाडा और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता (US Canada Trade Talks) विफल हो गई, जिसके बाद कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने वार्ताकारों को वापस बुला लिया है। ट्रेड वार्ता खत्म होने के साथ ही अमेरिका ने रात 12 बजकर 1 मिनट पर 28 अरब डॉलर के कनाडाई आयात पर 50% टैरिफ लगा दिया. कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने वार्ता खत्म करने की घोषणा करते हुए वॉशिंगटन की आखिरी समय में की गई मांगों को अनुचित और आर्थिक रूप से गलत बताया। कार्नी ने एक बयान में कहा, आज शाम मैंने अमेरिका के साथ व्यापार वार्ता को स्थगित करने का फैसला किया है और कनाडा के वार्ताकारों को ओट्टावा लौटने का निर्देश दिया है। कार्नी ने कहा, "हमने शुरू से ही यह माना है कि अमेरिका बदल गया है और हम अपने पुराने संबंधों पर वापस नहीं लौटेंगे। हमारी सरकार ने दूसरों से पहले ही यह समझ लिया था कि अमेरिका अपने सभी व्यापारिक संबधों को बदल रहा है। वह अपने करीबी सहयोगियों पर टैरिफ लगा रहा है और अपने विशाल बाजार तक पहुंच के लिए शुल्क ले रहा है।" कार्नी ने आगे कहा कि कनाडा कर्मचारियों और बिजनेस की सुरक्षा के लिए 28 अरब डॉलर के टैरिफ के बराबर जवाबी कार्रवाई करेगा। उन्होंने लिखा, अमेरिका आधी रात से लगभग 28 अरब अमेरिकी डॉलर के कनाडाई सामान पर 50% टैरिफ लगाने की योजना बना रहा है। कनाडा अपने कर्मचारियों और बिजनेस की सुरक्षा के लिए उतना ही टैरिफ लगाएगा।

मध्यप्रदेश के कई जिलों में करीब 48 घंटे से जारी बारिश कई गावों का जिला मुख्यालय से संपर्क प्रभावित हुआ

पहचान अभियान के तहत 18 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया

दिल्ली पुलिस के बाहरी जिले में चलाए गए एक विशेष सत्यापन और पहचान अभियान के तहत 18 विदेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। ये सभी विदेशी नागरिक भारत में वैध वीज़ा और पासपोर्ट की समय सीमा समाप्त (Visa Expiry) होने के बाद भी अवैध रूप से रह रहे थे। पुलिस ने शनिवार को इस पूरी कार्रवाई की जानकारी साझा की। पुलिस के अनुसार, हिरासत में लिए गए लोगों में थाईलैंड के नौ, नाइजीरिया के चार और बांग्लादेश के तीन नागरिक शामिल हैं। इसने बताया कि यह अभियान इलाके में रह रहे विदेशी नागरिकों की पहचान और सत्यापन के लिए बाहरी जिले की विदेशी प्रकोष्ठ इकाई और स्थानीय पुलिस थानों की ओर से चलाया गया था। पुलिस ने बताया कि विशेष सूचना के आधार पर पीरागढ़ी चौक के पास तीन बांग्लादेशी नागरिकों को रोका गया। पुलिस टीम को देखकर उन्होंने कथित रूप से वहां से भागने की कोशिश की। पुलिस के मुताबिक, सत्यापन के दौरान तीनों विदेशी नागरिक वैध दस्तावेज पेश नहीं कर सके और उनके पासपोर्ट तथा वीजा की अवधि समाप्त पाई गई। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अभियान में पश्चिम विहार ईस्ट और निहाल विहार थानों की पुलिस टीमों ने विदेशी प्रकोष्ठ के साथ मिलकर 15 और विदेशी नागरिकों को पकड़ा। इनमें थाईलैंड के नौ, नाइजीरिया के चार, युगांडा का एक और गिनी का एक नागरिक शामिल है। इन सभी के पासपोर्ट और वीजा अवधि समाप्त पाई गई। पुलिस के अनुसार, विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने इन सभी के खिलाफ निर्वासन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए दिल्ली पुलिस ने सभी 18 हिरासत में लिए गए विदेशी नागरिकों की जानकारी 'फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस' (FRRO) को सौंप दी है। एफआरआरओ (FRRO) ने इन सभी नागरिकों के खिलाफ उनके संबंधित देशों में वापस भेजने (Deportation Process) की आधिकारिक प्रक्रिया शुरू कर दी है।

यूक्रेन में रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों में कम से कम दो लोगों की मौत हो गई

यूक्रेन के एक शॉपिंग सेंटर पर हुए हमले के एक दिन बाद हुआ, जिसमें 16 लोगों की जान गई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि नये हमलों में राजधानी कीव में बैलिस्टिक मिसाइल के रेलवे ढांचे पर गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना ने एक लोकोमोटिव डिपो को निशाना बनाया। रूस की सेना ने हाल के दिनों में कीव पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन के पास अमेरिका निर्मित पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइल की लगातार कमी है और उसके शस्त्रागार में ये ही एकमात्र हथियार हैं जो इन मिसाइल को मार गिराने में सक्षम हैं। स्थानीय अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि रूस के ड्रोन हमले में जापोरिज्जिया क्षेत्र के एक गांव में भी रात में एक व्यक्ति की मौत हुई। जेलेंस्की ने कहा कि क्षेत्रीय राजधानी जापोरिज्जिया में एक मिनीबस पर हुए हमले में तीन लोग घायल हुए हैं। रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र के अधिकारियों ने बताया कि यूक्रेन के ड्रोन हमले में दो बच्चों की मौत हो गई और दो वयस्क घायल हुए हैं। ये हमले मध्य यूक्रेन के क्रिवी रिह शहर में शुक्रवार को रूसी ड्रोन हमले के एक दिन बाद हुए। इस हमले में एक शॉपिंग सेंटर को निशाना बनाया गया था। द्नीप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के प्रमुख ओलेक्सांद्र हांझा ने शनिवार तड़के बताया कि हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है और नौ लोग अब भी लापता हैं। हमले में 130 अन्य लोग घायल हुए हैं। रूसी ऑनलाइन समाचार 'अस्त्रा' ने शनिवार को बताया कि यूक्रेन के एक ड्रोन हमले में समारा क्षेत्र में एक तेल रिफाइनरी में आग लग गई। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि एक अज्ञात औद्योगिक प्रतिष्ठान और वाइल्डबेरीज की प्रतिद्वंद्वी कंपनी ओजोन के एक लॉजिस्टिक्स केंद्र को नुकसान पहुंचा है।

भारी टैरिफ के कारण क्यूबेक प्रांत की कनाडा से अलग होने की मांग ठंडी पड़ने लगी?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ और व्यापार तनाव के कारण कनाडा के क्यूबेक प्रांत में कनाडा से अलग होने की मांग और जनमत संग्रह की उम्मीदें कम हो गई हैं। Parti Québécois के नेता पॉल सेंट-पियेर प्लामंडोन ने स्पष्ट किया है कि ट्रंप के कार्यकाल के दौरान कोई स्वतंत्रता जनमत संग्रह नहीं कराया जाएगा। क्यूबेक में अलगाववादी रुझान में कमी का मुख्य कारण आर्थिक अनिश्चितता बताया जा रहा है। अमेरिकी टैरिफ के कारण क्यूबेक के उद्योगों और व्यापार को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है, जिससे स्थिरता की मांग बढ़ी है। ऐसे में लोग फिलहाल कनाडा के साथ रहना अधिक सुरक्षित मान रहे हैं। अमेरिका के कड़े रुख और बयानों ने क्यूबेक में भी कनाडाई देशभक्ति को बढ़ावा दिया है, जिससे लोग कनाडा के साथ रहना अधिक सुरक्षित मान रहे हैं। क्यूबेक की संप्रभुता के पक्ष में समर्थन गिरकर लगभग 30% पर आ गया है, जो दशकों में सबसे कम स्तर है। कनाडा को 51वां राज्य बनाने की ट्रंप की धमकियों और उनकी टैरिफ पॉलिसी के असर से क्यूबेक में कनाडाई देशभक्ति की लहर है। क्यूबेक एक ऐसा प्रांत है, जो अक्सर अलग होने की मांग करता रहा है और इस मुद्दे पर वहां पहले दो बार जनमत संग्रह भी हो चुके हैं। कनाडा का एकमात्र ऐसा प्रांत, जहां ज्यादातर लोग फ्रेंच बोलते हैं, क्यूबेक में अलगाववादी आंदोलन लंबे समय से चल रहा है। इस आंदोलन का तर्क है कि अपनी अलग संस्कृति और भाषा की रक्षा के लिए कनाडा से आजादी ही सबसे अच्छा रास्ता है। क्यूबेक में 5 अक्टूबर तक प्रांतीय चुनाव होने हैं। हालांकि, पहले जब भी प्रांत में आर्थिक मंदी आई है, तो अलगाववादी भावनाएं बढ़ी हैं, लेकिन सर्वे बताते हैं कि इस बार एक आजाद क्यूबेक के लिए समर्थन दशकों के सबसे निचले स्तर यानी लगभग 30% पर है। इलाके के दूसरे लोगों का कहना है कि ट्रंप से कनाडा को जो खतरा है, उसे देखते हुए क्यूबेक की अनोखी फ्रेंच संस्कृति को बचाने का फिलहाल सबसे अच्छा तरीका कनाडा के साथ बने रहना ही है।

संपादक की कलम से

ईरान और अमेरिका के बीच लंबे समय से चला आ रहा संघर्ष केवल दो देशों का सैन्य टकराव नहीं है, बल्कि इसका असर पूरे पश्चिम एशिया और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे समय में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन का युद्ध समाप्त करने का आह्वान एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संकेत माना जा सकता है। यदि वास्तव में बातचीत का रास्ता खुलता है, तो यह क्षेत्र को एक और बड़े संकट से बचाने की दिशा में सकारात्मक कदम होगा।पेज़ेशकियन का यह कहना कि ईरान ताकत और सम्मान की स्थिति में है, उनकी घरेलू राजनीति को भी ध्यान में रखता है। ईरान में कट्टरपंथी धड़ा किसी भी ऐसे समझौते का विरोध कर सकता है जिसे अमेरिका के सामने झुकने के रूप में देखा जाए। इसलिए राष्ट्रपति के लिए शांति की पहल और राष्ट्रीय सम्मान—दोनों के बीच संतुलन बनाना बड़ी चुनौती है।दूसरी ओर, ईरान के सैन्य नेतृत्व का सख्त रुख बताता है कि तेहरान बातचीत के साथ-साथ अपनी सैन्य तैयारी भी कमजोर नहीं करना चाहता। यही स्थिति किसी भी संभावित समझौते को जटिल बनाती है। अमेरिका भी ईरान की नीयत को लेकर आश्वस्त नहीं है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह संकेत कि सैन्य विकल्प खुले हैं, बताता है कि वॉशिंगटन अभी दबाव की रणनीति छोड़ने के लिए तैयार नहीं है।सबसे बड़ी चिंता होर्मुज़ जलडमरूमध्य को लेकर है। दुनिया के ऊर्जा व्यापार के लिए यह क्षेत्र बेहद महत्वपूर्ण है। यहां तनाव बढ़ने का सीधा असर कच्चे तेल की कीमतों, समुद्री व्यापार और वैश्विक महंगाई पर पड़ सकता है। भारत जैसे बड़े ऊर्जा आयातक देश के लिए इसका प्रभाव और भी गंभीर हो सकता है।इसलिए अब जरूरत बयानबाजी से आगे बढ़कर ठोस कूटनीतिक पहल की है। ईरान और अमेरिका दोनों को यह समझना होगा कि युद्ध में कोई भी पक्ष खुद को विजेता घोषित कर सकता है, लेकिन इसकी असली कीमत आम जनता, अर्थव्यवस्था और आने वाली पीढ़ियां चुकाती हैं।शांति का रास्ता आसान नहीं है, लेकिन संवाद का विकल्प हमेशा युद्ध से बेहतर होता है। यदि पेज़ेशकियन की पहल को गंभीरता से लिया जाता है और अमेरिका भी बातचीत के लिए व्यावहारिक रुख अपनाता है, तो पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की शुरुआत हो सकती है। अब सवाल यह है कि दोनों पक्ष राजनीतिक प्रतिष्ठा से ऊपर उठकर क्या स्थायी शांति के लिए समझौते की हिम्मत दिखा पाएंगे?

नगर निगम चुनाव का काउंटडाउन शुरू टिकट के लिए दावेदारों की दौड़ तेज

उदयपुर नगर निगम चुनाव का काउंटडाउन शुरू हो गया है और BJP-कांग्रेस ने टिकट के लिए आवेदन प्रक्रिया तेज कर दी है। BJP में फॉर्म ₹5 हजार में मिल रहा है और कांग्रेस में आवेदन मुफ्त है। एक दिन में दोनों पार्टियों से 300-300 से ज्यादा दावेदारों ने टिकट के लिए आवेदन किया है।

नगर निगम चुनाव को लेकर काउंटडाउन शुरू हो गया। 31 अगस्त तक नामांकन करना है और इसमें दस दिन भी नहीं बचे हैं। तेजी से शुरू हुए काउंट डाउन में जहां एक ओर दोनों पार्टियां तेजी से काम करने लगी है, वहीं दावेदारों की पहुंच पार्टी दफ्तरों तक तेज हो गई। दोनों पार्टियों ने शुक्रवार को ही आधे वार्डों में रायशुमारी कर ली, जबकि बाकी शहर को शनिवार को टटोलेंगे। दोनों पार्टियों में पार्षद में पार्षद के आवेदन पत्रों की बात करें तो भाजपा में फॉर्म 5 हजार रुपए में मिल रहा है और कांग्रेस में मुफ्त में उपलब्ध है। एक दिन में ही दोनों पार्टियों से करीब 300-300 से अधिक फॉर्म निकल चुके हैं। दोनों तरह की गतिविधियों में दो दिन बाद समीकरण सामने होंगे। भाजपा के आवेदन पत्र में एक रोचक बात सामने आई है। आवेदन पत्र में पूछा गया है कि 'तुम्हें टिकट नहीं दें तो किसको दें, तीन नाम लिखो...' इसे लेकर हर कोई दावेदार पशोपेश में है। इस सवाल के अलावा पार्टी की सदस्यता, उपलब्धियां, पुलिस वेरिफिकेशन, अनुशासनात्मक कार्रवाई, वोटर लिस्ट में नाम, निगम में बाकियात, बतौर पदाधिकारी क्या काम किया, पहले चुनाव लड़ा तो क्या नतीजा रहा आदि 19 बिंदु हैं। आवेदन फॉर्म का शुल्क 5 हजार और एससी-एसटी वर्ग के लिए 2 हजार रखा है। पिछले चुनाव में फॉर्म 3 हजार रुपए का था। फॉर्म शुल्क रखने के पीछे की सोच बताई गई है कि वास्तविक दावेदार ही फॉर्म भरेंगे, वहीं इससे जुटने वाले फंड को जरूरतमंद दावेदार के लिए चुनावी खर्च में दिया जाएगा। कांग्रेस के शास्त्री सर्कल चुनाव कार्यालय पर आवेदन मिल रहे हैं। संगठन महामंत्री अरुण टांक ने दावा किया कि पिछली बार से इस बार 6 गुना ज्यादा आवेदन मिले हैं। अब तक 300 से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। प्रक्रिया शनिवार को पूरी होने तक आवेदन संख्या बढ़ जाएगी। फॉर्म में पिछले चुनावों का गणित, चरित्र, पार्टी में भूमिका, पारिवारिक पृष्टभूमि, जाति समीकरण में प्रभाव की जानकारी पूछी गई है। स्थानीय स्तर के अलावा प्रदेश कांग्रेस में ऑनलाइन आवेदन के लिए भी बारकोड उपलब्ध कराया है। अब तक मिले आवेदन पत्रों में महिलाओं और युवाओं की संख्या 85 फीसदी होने की बात कही है। एक शपथ पत्र भी भरवाया जा रहा है, जिसमें टिकट जिसे भी मिले, उसे समर्थन देने की बात लिखी है। कांग्रेस में हाल ही में बनी कमेटी मेनिफेस्टो बनाने में जुटी है। आचार संहिता और विधिक राय को लेकर 15 वकीलों की कमेटी बनाई है। अनुशासन कमेटी गठित करने पर चर्चा हुई, जिसमें मंडल प्रभारी-अध्यक्ष और ब्लॉक प्रभारी-अध्यक्ष शामिल होंगे। वार्डों से रायशुमारी करके 5-5 नाम लिए जाएंगे। प्रदेश कार्यालय में चर्चा के बाद घोषणा होगी। भाजपा ने रायशुमारी की प्रक्रिया में पहले ही दिन 40 वार्डों को कवर कर लिया, वहीं शनिवार को बाकी 40 वार्डों में रायशुमारी करते हुए रविवार को रिपोर्ट तैयार की जाएगी। पहले दिन की रायशुमारी को लेकर वार्डों में बैठकें हुई, जिनमें निवर्तमान पार्षदों का रिपोर्ट कार्ड पेश किया गया, वहीं आरक्षण के अनुसार दावेदारों के नाम जुटाए गए हैं।

सीएम विजय और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन के बीच जुबानी जंग तेज

तमिलनाडु की राजनीति में सीएम विजय और डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। शनिवार को डीएमके कार्यकारिणी की बैठक हुई। इसमें एमके स्टालिन ने सीएम विजय पर विधानसभा के कामकाज को लेकर साधा। उन्होंने सीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि विजय विधानसभा को सिनेमा का सेट समझ रहे हैं और पंच डायलॉग बोलने पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। इस दौरान स्टालिन ने विजय पर योजनाओं का नाम बदलने का भी आरोप लगाया। स्टालिन ने कहा कि सीएम विजय डीएमके सरकार के दौरान शुरू की गई योजनाओं के नाम बदलने में व्यस्त हैं। दरअसल, जून में विधानसभा में डीएमके विधायकों के वॉकआउट के दौरान विजय के भाषण का एक हिस्सा काफी चर्चा में रहा था। डीएमके विधायकों के सदन से बाहर चले जाने के बावजूद विजय ने अपना भाषण जारी रखा था। भाषण के अंत में सीएम विजय ने तत्कालीन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के एक चर्चित अंदाज की नकल करते हुए हाथ से सब खत्म होने का इशारा किया था। उन्होंने स्पीकर से इसकी अनुमति भी मांगी थी। विजय ने कहा था कि जिस व्यक्ति के लिए वह यह इशारा करना चाहते थे, वह तो सदन से बाहर जा चुका है, लेकिन क्या वह फिर भी ऐसा कर सकते हैं। अनुमति मिलने के बाद उन्होंने मुस्कुराते हुए हाथ से नाटकीय अंदाज में इशारा किया था। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। डीएमके अध्यक्ष एमके स्टालिन ने पार्टी की चुनावी हार को भविष्य की रणनीति तैयार करने के अवसर के तौर पर देखने की बात कही। उन्होंने कहा कि पार्टी के लिए यह समय आत्ममंथन करने और आगे की दिशा तय करने का है। स्टालिन ने कहा कि इस हार को पार्टी के भविष्य की योजना बनाने के लिए मिले अवसर के रूप में देखना चाहिए। उन्होंने संकेत दिया कि डीएमके के संगठनात्मक ढांचे में बड़े और महत्वपूर्ण बदलाव किए जा सकते हैं।

BJP का Gen Z कनेक्ट प्लान! नितिन नवीन-स्मृति ईरानी समेत 5 नेताओं की खास टीम, युवाओं पर फोकस

सूत्रों के मुताबिक, BJP ने Gen Z के बीच आउटरीच बढ़ाने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया है। इस टीम में BJP के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, राष्ट्रीय महामंत्री स्मृति ईरानी, विनोद तावड़े, हर्ष सांघवी और ओ.पी. चौधरी समेत कुछ अन्य नेताओं को शामिल किया गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह टीम Gen Z यानी युवा वर्ग के साथ संवाद और संपर्क बढ़ाने के लिए जल्द ही विशेष आउटरीच कार्यक्रम शुरू करेगी। बीजेपी की इस टीम का फोकस युवाओं से सीधे संवाद, उनकी अपेक्षाओं और मुद्दों को समझने तथा पार्टी की नीतियों और विचारधारा से उन्हें जोड़ने पर रहेगा।

- टीम में कौन-कौन होगा?
- नितिन नवीन
- स्मृति ईरानी
- विनोद तावड़े
- हर्ष सांघवी
- ओ.पी. चौधरी

बता दें कि इससे पहले शनिवार को बीजेपी की राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक बुलाई गई थी, जो कि अब संपन्न हो गई है। इस बैठक में नए पदाधिकारियों के साथ पार्टी के पुराने पदाधिकारियों को भी बुलाया गया था। सूत्रों के मुताबिक, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने बैठक में पदाधिकारियों से युवाओं के साथ अधिक से अधिक संवाद और आउटरीच बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन में संयम और अनुशासन बनाए रखना बेहद जरूरी है और विपक्ष के आरोपों का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाना चाहिए। नितिन नवीन ने सभी पदाधिकारियों से पार्टी की विचारधारा से जुड़े रहते हुए 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ काम करने का आह्वान किया। बैठक में केंद्र और राज्य सरकारों की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने और जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया। वहीं आज शाम होने वाली बीजेपी की अंतिम बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे। बैठक में पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय पदाधिकारियों के अलावा सभी राज्यों के संगठन मंत्री और प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहेंगे। बैठक में मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों और आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियों पर चर्चा होगी। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी नेताओं को संगठन को मजबूत करने और चुनावी रणनीति को लेकर अहम दिशा-निर्देश दे सकते हैं।

बीजेपी ने पूर्ण गायन के सम्मान की रक्षा करने का प्रस्ताव पारित किया

केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को वंदे मातरम के सम्मान और उसकी ऐतिहासिक विरासत की रक्षा के संबंध में एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किया। इसमें बीजेपी ने 19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति की ओर से 1937 के अपने प्रस्ताव को फिर स्वीकार करने के फैसले का विरोध किया है। इसमें मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने अपने कार्यक्रमों में 'वंदे मातरम' के केवल पहले दो पदों के गायन तक सीमित करने का फैसला लिया है। बीजेपी ने अपने प्रस्ताव में कांग्रेस के वंदे मातरम के संबंध में लिए गए इस निर्णय की कड़ी निंदा और स्पष्ट शब्दों में विरोध किया है।बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने इस संबंध में एक्स पर पोस्ट किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी, वंदे मातरम को भारत का राष्ट्रीय गीत, भारत माता के प्रति श्रद्धा की अभिव्यक्ति, स्वतंत्रता संग्राम का मंत्र और भारत की राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक मानती है। उन्होंने एक्स पोस्ट में भारतीय जनता पार्टी के लिए गए संकल्प की जानकारी दी है।

1. 19 अगस्त 2026 को कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा 1937 के प्रस्ताव को दोहराते हुए वंदे मातरम के प्रथम दो पदों तक गायन सीमित करने के निर्णय की कड़ी निंदा और स्पष्ट विरोध करेगी।

2. पूर्ण वंदे मातरम के सम्मान, गरिमा, विरासत और राष्ट्रीय स्वरूप की रक्षा करेगी, इसे भारत का राष्ट्रीय गीत, राष्ट्रीय चेतना का अमर प्रतीक और स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत मानेगी।

3. 1950 में संविधान सभा की घोषणा और 2026 में संसद की ओर से राष्ट्रीय गीत को जन गण मन के समान वैधानिक संरक्षण प्रदान किए जाने से स्थापित स्थिति की दृढ़ता से पुष्टि करेगी। 4. राष्ट्रीय गीत को सांप्रदायिक दबाव, राजनीतिक तुष्टीकरण अथवा संकीर्ण वोट-बैंक की राजनीति के अधीन करने के हर प्रयास का विरोध करेगी।

5. कांग्रेस को स्मरण कराएगी कि उसकी कार्यसमिति का कोई प्रस्ताव भारत के संवैधानिक संस्थानों और संसद की ओर से बनाए गए कानूनों से ऊपर नहीं हो सकता। 1937 का राजनीतिक समझौता 1950 के संवैधानिक निर्णय और 2026 में संसद के बनाए गए कानून से ऊपर नहीं रखा जा सकता।

6. जनता के सामने उस ऐतिहासिक और राजनीतिक संदर्भ को उजागर करेगी, जिसमें वंदे मातरम के गायन को सीमित किया गया था, जिसमें मुस्लिम लीग की आपत्तियां और बाद में बढ़ती सांप्रदायिक और अलगाववादी मांगों की राजनीति शामिल थी। 7. महात्मा गांधी के उस ऐतिहासिक कथन को जन-जन तक पहुंचाएगी, जिसमें उन्होंने वंदे मातरम को 'साम्राज्यवाद-विरोधी नारा' और 'शुद्धतम राष्ट्रीय भावना' से जुड़ा हुआ बताया था।

8. भाजपा कार्यकर्ताओं के माध्यम से देशव्यापी अभियान चलाएगी, जिसके अंतर्गत वंदे मातरम का इतिहास, अर्थ, राष्ट्रीय महत्व और गौरवशाली विरासत भारत के हर कोने तक पहुंचाई जाएगी।

9. विशेषकर युवा पीढ़ी के बीच जागरूकता का अभियान चलाया जाएगा, ताकि छह पदों वाले पूर्ण राष्ट्रीय गीत और उसके इतिहास को विस्मृति में न जाने दिया जाए। जिससे आने वाली पीढ़ियां समझ सकें कि वंदे मातरम के साथ भारत की स्वतंत्रता, संघर्ष, बलिदान और राष्ट्र-जागरण की कितनी गहरी स्मृतियां जुड़ी हैं। 10. राजनीतिक सुविधा या तुष्टीकरण के लिए वंदे मातरम के सम्मान और विरासत से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

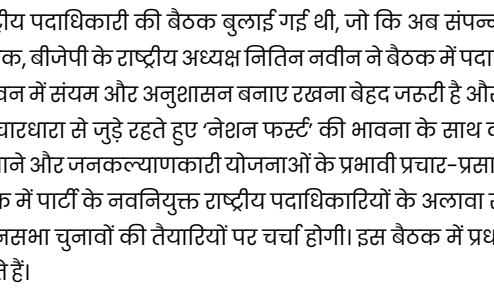

HTET 2026 रिजल्ट जारी! 10 साल में सबसे बेहतर रहा परिणाम जानें लेवल-1, 2 और 3 का पास प्रतिशत

हरियाणा शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 का परिणाम 10 साल में सबसे अच्छा रहा है। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (BSEH), भिवानी ने उम्मीदवारों के बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन के बाद हरियाणा टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट (HTET) 2025 का परिणाम घोषित किया। जो उम्मीदवार जुलाई 2026 में आयोजित हुए हरियाणा टीईटी में बैठे थे, वे अब बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट bseh.org.in पर जाकर अपना सरकारी रिजल्ट चेक कर सकते हैं। HTET परीक्षा 4 और 5 जुलाई, 2026 को तीन स्तरों पर आयोजित की गई थी। परीक्षा में कुल 1,92,220 उम्मीदवार शामिल हुए। इनमें प्राथमिक शिक्षक (PRT) लेवल -1 के लिए 31,402, ट्रेंड ग्रेजुएट टीचर (TGT) लेवल-2 के लिए 99,896 और पोस्टग्रेजुएट टीचर (PGT) के लिए 60,922 उम्मीदवार उपस्थित हुए थे। परीक्षार्थी नीचे बताए गए स्टेप्स फॉलो करके अपना टीईटी रिजल्ट 2026 चेक कर सकते हैं। प्राइमरी लेवल की टीईटी परीक्षा में 96.47% उम्मीदवार फेल हुए हैं। लेवल-1 में 31,402 उम्मीदवारों में से 3.53 प्रतिशत उम्मीदवार पास हुए। वहीं TGT के लिए लेवल 2 में 99,896 उम्मीदवार शामिल हुए, जिनमें से 20.71 प्रतिशत पास हुए। इसी तरह पीजीटी के लिए लेवल-3 की परीक्षा में 60,922 उम्मीदवारों में से 16.50 प्रतिशत पास हुए हैं।

सबसे पहले हरियाणा बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट bseh.org.in पर जाएं।

होम पेज पर, 'Result/E-Certificate of Haryana Teacher Eligibility Test (HTET)-2025' लिंक पर क्लिक करें।

नए पेज पर, 'To View Result' लिंक पर क्लिक करें।

अब लेवल (I, II या III) चुने, रजिस्ट्रेशन नंबर या एप्लीकेशन आईडी और जन्म तिथि दर्ज करके लॉगिन पर क्लिक करें।

आपका हरियाणा टीईटी रिजल्ट स्क्रीन पर खुल जाएगा। इसे चेक करें।

आगे के लिए रिजल्ट और उसका प्रिंटआउट ले लें।

इसी तरह 'To View Score Card/E-Certificate' पर क्लिक करके ई-सर्टिफिकेट डाउनलोड कर सकते हैं। हरियाणा टीईटी 2025 का रिजल्ट बीते 10 साल में सबसे अच्छा रहा है। इससे पहले साल 2016 में इससे थोड़ा कम पास प्रतिशत 15.20% रहा था। बता जें कि बोर्ड ने HTET में क्वालीफाई हुए उम्मीदवारों के लिए बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन 10, 11 और 12 अगस्त, 2026 को जिला-स्तरीय केंद्रों पर बुलाया था। वेरिफिकेशन के लिए कुल 31,847 योग्य उम्मीदवारों को बुलाया गया था। इनमें से 30,883 उम्मीदवार उपस्थित हुए, जबकि 964 उम्मीदवार उपस्थित नहीं हुए। बोर्ड ने कहा कि जो उम्मीदवार जिला-स्तरीय प्रक्रिया के दौरान बायोमेट्रिक सत्यापन के लिए उपस्थित नहीं हो सके, उनके लिए एक अलग कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। बाकी वेरिफिकेशन हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड परिसर में आयोजित किया जाएगा।

कनाडा में भारतीय वर्कर्स के लिए जॉब के नए रास्ते खुलने वाले हैं, एक नियम में बदलाव?

कनाडा में भारतीय वर्कर्स के लिए जॉब के नए रास्ते खुलने वाले हैं, क्योंकि यहां की सरकार ने एक नियम में बदलाव कर दिया है। कनाडा की सरकार ने फेडरल नियमों में बदलाव किया है, जिसके बाद अब छोटे ऑफिस वाली कंपनियां भी कम सैलरी वाले टेंपरेरी वर्कर्स (लो वेज टेंपरेरी फॉरेन वर्कर्स) की ज्यादा संख्या में हायरिंग कर पाएंगी। इसका सीधा मतलब है कि अब कनाडा में जॉब के लिए ज्यादा रास्ते खुल चुके हैं। एम्प्लॉयमेंट एंड सोशल डेवलपमेंट कनाडा (ESDC) ने 18 अगस्त को अपने प्रोग्राम के नियमों में बदलाव किया है। इससे किसी वर्कप्लेस में 10 से कम कर्मचारियों वाली कंपनियों को क्षेत्र के आधार पर एक या दो कम सैलरी वाले विदेशी वर्कर्स को काम पर रखने की इजाजत मिल गई है। इस तरह कुछ कंपनियों को कम सैलरी वाले विदेशी वर्कर्स पर लगने वाली सामान्य 10% या 20% से ज्यादा की छूट मिल जाती है। नियमों के मुताबिक, विदेशी वर्कर के लिए कम सैलरी वाली जॉब उसे माना जाता है, जब उसे फेडरल सरकार के जॉब बैंक में लिस्ट क्षेत्रीय औसत सैलरी के 120% से कम मिल रहा होगा। जो जॉब्स इस सैलरी लिमिट को पूरा करती हैं या इससे अधिक हैं, उन्हें उच्च वेतन वाले वर्ग यानी हाई-वेज स्ट्रीम के जरिए भरा जा सकता है। उनके लिए वर्कफोर्स का कोई कैलकुलेशन नहीं होता है। कम सैलरी वाली कैटेगरी के तहत काम पर रखने वाली कंपनियों को कुछ अन्य शर्तों को भी पूरा करना होगा।

एक खिलाड़ी की गर्दन पर हाथ मारने के कारण लियोनेल मेसी और उनके साथी इयान फ्रे पर जुर्माना

मिचेल स्टार्क वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए

ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरीना में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क का कहर देखने को मिला। स्टार्क ने 10 ओवर में 12 रन देकर 6 विकेट झटके। इसी के साथ वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत 2019 में हुई थी। उस समय से अब तक स्टार्क ने 56 मैचों की 108 पारियों में 230 विकेट लिए हैं। इस दौरान एक पारी में 5 या उससे अधिक विकेट लेने की उपलब्धि उन्होंने 8 बार हासिल की है। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट है। स्टार्क ने डब्ल्यूटीसी के इतिहास में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में अपने ही टीम के दो साथी गेंदबाजों कप्तान पैट कमिंस और स्पिनन नाथन लायन को पीछे छोड़ा। कमिंस ने 54 टेस्ट की 99 पारियों में 225 विकेट लिए हैं, जबकि लायन ने 57 टेस्ट की 100 पारियों में 225 विकेट लिए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ पहली पारी में 6 विकेट लेने और डब्ल्यूटीसी इतिहास के सबसे सफल गेंदबाज बनने के अलावा, स्टार्क ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में स्टार्क ने दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन को पीछे छोड़ दिया है। स्टेन को पीछे छोड़ते हुए स्टार्क टेस्ट फॉर्मेट के दसवें सफलतम गेंदबाज बन गए हैं। 36 साल के स्टार्क के अब 107 टेस्ट मैचों की 205 पारियों में 441 विकेट हो चुके हैं। स्टार्क एक पारी में 19 बार 5 या उससे अधिक विकेट ले चुके हैं, जबकि एक मैच में 10 या उससे अधिक विकेट 3 बार ले चुके हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 58 रन देकर 7 विकेट है। स्टेन ने 2004 से 2019 के बीच 93 टेस्ट मैचों में 439 विकेट लिए थे। स्टेन अब टेस्ट के सफलतम गेंदबाजों की सूची में 11वें नंबर पर चले गए हैं।

गौतम गंभीर का मानना है कि उनका पूरा ध्यान भारत के लिए ट्रॉफियां जीतने पर

लगातार खराब नतीजों के बाद हो रही आलोचनाओं और 'बाहरी शोर' से बेपरवाह भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का मानना है कि उनका पूरा ध्यान भारत के लिए ट्रॉफियां जीतने पर है। गंभीर के मुख्य कोच बनने के बाद भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला में हार का सामना करना पड़ा, जबकि ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी टीम को करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। इंग्लैंड के खिलाफ उसकी धरती पर 2-2 से टेस्ट श्रृंखला ड्रॉ करना उनके कार्यकाल में एक सकारात्मक पहलू रहा है।रविवार से श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से एक दिन पहले गंभीर से जब उनके खिलाफ होने वाली आलोचनाओं के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, "आलोचना? मेरा काम ट्रॉफियां जीतना है। मैं सिर्फ इसी में विश्वास करता हूं और इसी की परवाह करता हूं। यही मेरे और बाकी लोगों के बीच अंतर है। मुझे विचारों या 'लाइक्स' की चिंता नहीं है।" चयन समिति के अध्यक्ष अजित अगरकर के साथ अपनी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर गंभीर ने कहा कि चर्चा का केंद्र भारतीय क्रिकेट को आगे ले जाने और सही फैसले लेने पर रहता है। उन्होंने कहा, "यह सिर्फ इस बात को लेकर है कि हम क्रिकेट में आगे कैसे बढ़ना चाहते हैं, क्या महत्वपूर्ण है और क्रिकेट की बेहतरी के लिए कौन से सही फैसले लेने चाहिए। फिलहाल हमारी बातचीत पूरी तरह क्रिकेट और खेल को आगे ले जाने के नजरिए पर ही केंद्रित रहती है।"

भारतीय टीम के सामने मेजबान नीदरलैंड की चुनौती

हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय पुरुष टीम ने पूल-डी में अपने तीन मुकाबलों में से एक में हार और दो को जीतने के साथ टॉप-8 में अगले राउंड के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया था। अब भारतीय हॉकी टीम को पूल-E में जगह मिली है, जिसमें उसके साथ इंग्लैंड के अलावा मेजबान नीदरलैंड और अर्जेंटीना की टीम शामिल है। यहां पर टीम इंडिया का सामना नीदरलैंड और अर्जेंटीना से ही होगा, जिसमें उसका पहला मैच 22 अगस्त को मेजबान नीदरलैंड की टीम के खिलाफ एम्सटेलवीन के वेगेनेर स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 7:30 से होगा। इस मैच का भारत में सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियो हॉटस्टार की ऐप पर किया जाएगा। नीदरलैंड की टीम का पहले राउंड में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है जिसमें वह तीनों मैचों को जीतने में कामयाब रही थी। हॉकी वर्ल्ड कप 2026 में भारतीय पुरुष टीम ने पूल-डी में अपने तीन मुकाबलों में से एक में हार और दो को जीतने के साथ टॉप-8 में अगले राउंड के लिए अपनी जगह को पक्का कर लिया था। अब भारतीय हॉकी टीम को पूल-E में जगह मिली है, जिसमें उसके साथ इंग्लैंड के अलावा मेजबान नीदरलैंड और अर्जेंटीना की टीम शामिल है। यहां पर टीम इंडिया का सामना नीदरलैंड और अर्जेंटीना से ही होगा, जिसमें उसका पहला मैच 22 अगस्त को मेजबान नीदरलैंड की टीम के खिलाफ एम्सटेलवीन के वेगेनेर स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 7:30 से होगा। इस मैच का भारत में सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियो हॉटस्टार की ऐप पर किया जाएगा। नीदरलैंड की टीम का पहले राउंड में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला है जिसमें वह तीनों मैचों को जीतने में कामयाब रही थी। भारत और नीदरलैंड की टीम के बीच में होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप 2026 के इस मुकाबले की शुरुआत एम्सटेलवीन के वेगेनेर स्टेडियम में भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से होगी, जिसमें भारतीय फैंस टीवी पर मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर देख सकते हैं, इसके अलावा मैच का सीधा प्रसारण डीडी फ्रीडिश में डीडी स्पोर्ट्स चैनल पर भी किया जाएगा।

7 लाख की 'गोल्डन चुनौटी' ने इंटरनेट पर मचाया बवाल

शौक भी गजब की चीज है. जहां 20-25 रुपये में काम आराम से बन जाए, वहां लोग लाखों खर्च करने से परहेज नहीं करते. इंटरनेट पर वायरल हो रही सोने की चुनौटी इसका ताजा उदाहरण है. इसकी कीमत 7 लाख रुपये से भी ज्यादा बताई जा रही है. चलिए जानते हैं आखिर ये मामला क्या है? खैनी यानी तंबाकू खाने वाले लोग इसे एक खास तरह की डिबिया में रखते हैं. इस डिब्बी को बोलचाल में चुनौटी कहा जाता है. इसमें दो खाने बने होते हैं, एक में तंबाकू और दूसरे में चूना होता है. ⊙

'समर कैंप' में बच्चों को सिखाई जा रही पैसे की अहमियत

अमीरी की लत छुड़ाने का अनोखा तरीका

चीन में अमीर परिवारों के बच्चे एक ऐसे खास समर कैंप में जा रहे हैं, जहां उन्हें आराम और सुविधाओं से दूर रखकर खेतों में काम, शारीरिक मेहनत और रोजमर्रा के मुश्किल काम सिखाए जाते हैं. इस कैंप की फीस हजारों नहीं, बल्कि लाखों रुपये तक है.

चीन में इन दिनों बच्चों के लिए चलने वाले एक खास तरह के समर कैंप की चर्चा हो रही है. आमतौर पर समर कैंप का नाम सुनते ही बच्चों के खेल, मस्ती, घूमने-फिरने और नई चीजें सीखने की तस्वीर सामने आती है. लेकिन चीन में कुछ अमीर परिवार अपने बच्चों को ऐसे कैंप में भेज रहे हैं, जहां उन्हें खेतों में काम करने से लेकर पेड़ की छाल उतारने और रोजमर्रा के काम खुद करने तक की ट्रेनिंग दी जाती है. खास बात यह है कि इस कैंप में बच्चों को भेजने के लिए माता-पिता हजारों रुपये नहीं, बल्कि लाखों रुपये तक खर्च कर रहे हैं. रिपोर्ट के मुताबिक, इस तरह के 'हार्डशिप समर कैंप' का मकसद बच्चों को आरामदायक जिंदगी से बाहर निकालकर मेहनत और मुश्किल हालात का अनुभव कराना है. यहां बच्चों को खेतों में काम करना, फसल से जुड़े काम सीखना, सामान संभालना और कुछ ऐसे काम करना पड़ता है, जिन्हें वे आमतौर पर शहर में अपने घरों में नहीं करते. कई बच्चों को दिनभर शारीरिक मेहनत करनी पड़ती है, ताकि उन्हें यह समझ आ सके कि पैसा कमाना और जिंदगी चलाना कितना मुश्किल हो सकता है. इस कैंप की सबसे ज्यादा चर्चा इसकी फीस को लेकर हो रही है. जानकारी के अनुसार, 10 दिन के कैंप की फीस करीब 4,000 युआन यानी लगभग 48 हजार रुपये बताई गई है. वहीं, एक महीने के कैंप की फीस 1.2 लाख रुपये से ज्यादा बताई गई है. यानी जिन बच्चों के माता-पिता अपने बच्चों को यहां भेजते हैं, वे उन्हें मेहनत का महत्व समझाने के लिए काफी पैसे खर्च कर रहे हैं. ⊙

लोगों ने बच्ची की हिम्मत को सराहा

कैंप को लेकर उठ रहे सवाल हालांकि, इस तरह के कैंप को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं. बच्चों से इतनी मेहनत करवाना और उन्हें मुश्किल परिस्थितियों में रखना क्या सही तरीका है, इस पर अलग-अलग राय सामने आ रही है.

66 लाख की नौकरी छोड़ रिसेप्शनिस्ट बनी महिला

आज के समय में ज्यादातर लोग अच्छी सैलरी और बड़े पद के लिए लगातार मेहनत करते हैं. लेकिन क्या होगा अगर वही नौकरी आपकी जिंदगी से खुशी छीन ले? ऑस्ट्रेलिया की ग्रेस मैक्लीलैंड (Grace McClelland) की कहानी इसी सवाल का जवाब देती है. उन्होंने करीब 66 लाख रुपये सालाना की नौकरी छोड़कर रिसेप्शनिस्ट बनने का फैसला किया. वजह सिर्फ एक थी- मानसिक शांति और बेहतर जिंदगी. ग्रेस ने रिटेल इंडस्ट्री में सेल्स एसोसिएट के तौर पर करियर शुरू किया. मेहनत के दम पर वह एक बड़े ब्रांड के फ्लैगशिप स्टोर की मैनेजर बन गईं. बाहर से देखने पर उनका करियर शानदार लग रहा था, लेकिन हकीकत कुछ और थी. उन्होंने बताया कि नई जिम्मेदारियों के साथ उन पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करने का दबाव बढ़ता गया. लंबे वर्किंग आवर्स, रोज का सफर और हर समय खुद को साबित करने की कोशिश ने उन्हें मानसिक रूप से थका दिया. ⊙

रेस्टोरेंट चला रहे एलॉन मस्क?

चीन के शांक्सी प्रांत का एक बारबेक्यू शेफ अपने चेहरे की वजह से अचानक सोशल मीडिया पर वायरल हो गया. लोग उसे एलॉन मस्क का हमशक्ल बता रहे हैं और उसके साथ फोटो खिंचवाने के लिए रेस्टोरेंट पहुंच रहे हैं. हालांकि, अचानक मिली लोकप्रियता के बावजूद शेफ का कहना है कि वह इंटरनेट स्टार नहीं बनना चाहता और सिर्फ अपने काम पर ध्यान देना चाहता है. दुनिया के सबसे चर्चित उद्योगपतियों में से एक एलॉन मस्क का चेहरा लगभग हर कोई पहचानता है. लेकिन अगर आपको कोई ऐसा व्यक्ति मिल जाए जो बिल्कुल एलन मस्क जैसा दिखता हो और वह किसी बड़ी कंपनी का मालिक नहीं बल्कि एक साधारण रेस्टोरेंट में बारबेक्यू बनाने वाला शेफ हो, तो शायद आपको भी यकीन न हो. चीन में इन दिनों ठीक ऐसा ही हुआ है. चीन के शांक्सी प्रांत के तोंगचुआन शहर में रहने वाले 48 वर्षीय मा जियानपिंग अचानक सोशल मीडिया स्टार बन गए हैं. लोग उन्हें 'चीन का एलॉन मस्क' कहकर बुला रहे हैं. वजह सिर्फ इतनी है कि उनका चेहरा और हाव-भाव दुनिया के मशहूर अरबपति एलन मस्क से काफी मिलते-जुलते हैं. 26 जुलाई को मा जियानपिंग का एक वीडियो चीन के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डोयिन पर पोस्ट किया गया. वीडियो में वह अपने रेस्टोरेंट में ग्राहकों के लिए बारबेक्यू तैयार करते नजर आ रहे हैं. ⊙

'स्पिरिट' विवाद फिर गरमाया!

दीपिका ने प्रणय रेड्डी वांगा के दावों वाली पोस्ट को किया लाइक

प्रभास की मचअवेटेड फिल्म 'स्पिरिट' 2025 से ही लगातार सुर्खियों में है। करीब साल भर पहले दीपिका पादुकोण अचानक से ही इस प्रोजेक्ट से बाहर हो गईं। 'स्पिरिट' से दीपिका के बाहर होते ही तृप्ति डिमरी ने उनकी जगह ले ली। फिल्म से अचानक दीपिका के बाहर होने को लेकर कई तरह के दावे सामने आए, जिनमें एक्ट्रेस की 8 घंटे की शिफ्ट की डिमांड और प्रोफिट में हिस्सेदारी जैसे दावे शामिल थे। फिल्म से दीपिका को बाहर हुए एक साल से ज्यादा हो गया है, लेकिन अब तक ये विवाद नहीं थमा है और अब एक बार फिर इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। हाल ही में संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने दीपिका पादुकोण के फिल्म छोड़ने की वजहों को लेकर कुछ दावे किए, जिसके बाद अब इशारों-इशारों में दीपिका ने भी पलटवार किया है। दीपिका पादुकोण ने प्रणय रेड्डी वांगा के दावों पर सीधे तौर पर कोई बयान जारी नहीं किया है, लेकिन उन्होंने एक पोस्ट को 'लाइक' करते हुए वांगा ब्रदर्स के दावों पर जरूर प्रतिक्रिया दी है। दरअसल, प्रणय रेड्डी वांगा ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान दावा किया कि 'स्पिरिट' से दीपिका खुद बाहर नहीं हुईं, बल्कि उन्हें बाहर किया गया है। इसकी वजह उनका प्रॉफिट में 10 प्रतिशत हिस्सा मांगना और 8 घंटे की शिफ्ट की मांग करना था। प्रणय रेड्डी के इन दावों को लेकर

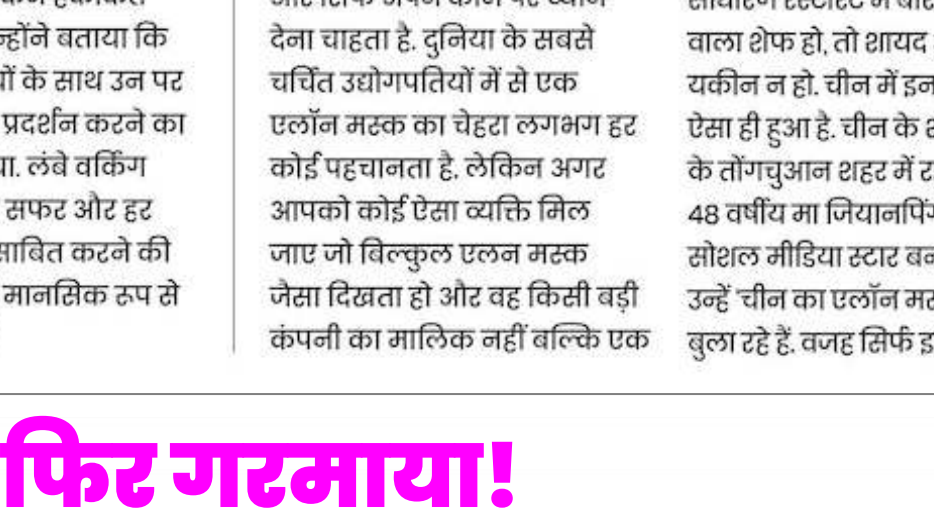

सोशल मीडिया पर सवाल उठाए जाने लगे और दीपिका ने भी इसका समर्थन किया है। दरअसल, पत्रकार जानवी मनचंदा ने अपनी एक इंस्टाग्राम पोस्ट में प्रणय रेड्डी वांगा के दावों पर सवाल खड़े किए हैं और इस पोस्ट को दीपिका ने लाइक किया है। पोस्ट में प्रणय रेड्डी वांगा के हालिया बयान का जिक्र करते हुए लिखा गया कि 'संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय का दावा है कि दीपिका ने स्पिरिट के फायदे में 10 प्रदिशत हिस्सेदारी मांगी थी। मेरे दिमाग में बस ये चल रहा है कि क्या हम भूल गए हैं कि पुरुष स्टार सालों से ऐसा करते आ रहे हैं। जब कोई महिला ऐसा करती है, तो ये खबर क्यों बन जाती है? एक महिला ने डील ठुकरा दी और महिला विरोधी सोच एक महिला की ना को बर्दाश्त नहीं कर सकी।' इस पोस्ट को लाइक करते हुए दीपिका ने अपना समर्थन जाहिर किया है। प्रणय रेड्डी वांगा ने हाल ही में में NTV तेलुगु के साथ बातचीत में दीपिका के 'स्पिरिट' से अलग होने की वजह बताते हुए दावा किया कि इसके पीछे फीस, शूटिंग शेड्यूल, प्रॉफिट में हिस्सा और कुछ अन्य कारण थे। प्रणय रेड्डी वांगा ने बातचीत के दौरान दावा किया कि दीपिका ने फिल्म के प्रॉफिट में 10 फीसदी हिस्सेदारी मांगी थी और फिल्म के बजट के हिसाब से यह डील संभव नहीं थी। यही नहीं, प्रणय ने कहा कि जब टीम ने दूसरे कलाकारों की तलाश शुरू की तो फिल्म से जुड़ी प्राइवेट जानकारी कथित तौर पर लीक होने लगी और ये जानकारी दीपिका के साथ शेयर की गई थी।

‘चवन्नी’ विवाद से सीट बंटवारे तक पहुंची सियासत अखिलेश ने NDA सहयोगियों पर साधा निशाना

2027 यूपी विधानसभा चुनाव से पहले अखिलेश यादव के बयान को लेकर सपा, RLD और बसपा के बीच सियासी तकरार तेज हो गई है।जयंत चौधरी और मायावती की आपत्ति के बाद अखिलेश ने बीजेपी के सहयोगी दलों को ज्यादा सीटें देने की बात कहकर पलटवार किया है।

उत्तर प्रदेश की सियासत में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले गठबंधन की राजनीति ने जोर पकड़ लिया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव के चवन्नी को रुपया बना दिया वाले बयान पर शुरू हुआ विवाद अब सीटों के बंटवारे तक पहुंच गया है। राष्ट्रीय लोक दल (RLD) के अध्यक्ष जयंत चौधरी और बसपा सुप्रीमो मायावती की आपत्ति के बाद अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए बीजेपी और उसके सहयोगी दलों पर निशाना साधा। अखिलेश यादव ने लखनऊ में मीडिया से बातचीत के दौरान कहा कि बीजेपी को अपने सहयोगी दलों को आगामी विधानसभा चुनाव में अधिक सीटें देनी चाहिए। उन्होंने इसी बहाने RLD को लेकर तंज भी कसा। अखिलेश ने कहा कि अगर किसी सहयोगी को 30 सीटें दी जा रही हैं तो उसे चार गुना यानी 120 सीटें दी जानी चाहिए। उनके मुताबिक, इससे सहयोगी दलों को सम्मान भी मिलेगा और गठबंधन की वास्तविक तस्वीर भी सामने आएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी के सहयोगी दलों को विधानसभा चुनाव में पर्याप्त हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। उन्होंने सीटों के बंटवारे को लेकर कहा कि अगर 30 सीटों का हिसाब लगाया जा रहा है तो चार गुना करने पर आंकड़ा 120 तक पहुंचता है। सपा प्रमुख ने इसे केवल सीटों का सवाल नहीं बताया, बल्कि सहयोगी दलों के सम्मान से जोड़ दिया। उन्होंने चौधरी चरण सिंह और चौधरी अजित सिंह का जिक्र करते हुए कहा कि अगर सहयोगियों को उचित हिस्सेदारी नहीं मिलती है तो यह उनके राजनीतिक विरासत और समाज के सम्मान का भी सवाल बनेगा। जयंत चौधरी और मायावती की प्रतिक्रिया पर अखिलेश यादव ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी गठबंधन तोड़ने वाली पार्टी नहीं है। उनका कहना था कि सपा जब किसी दल के साथ गठबंधन करती है तो उसे साथ लेकर चलने की कोशिश करती है। अखिलेश ने कहा कि कई बार सच बोलने पर लोग नाराज हो जाते हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि गठबंधन को लेकर समाजवादी पार्टी की नीति सहयोगियों को जोड़कर चलने की रही है। उनके मुताबिक, सपा किसी को छोड़कर नहीं जाती, बल्कि कई बार सहयोगी खुद अलग हो जाते हैं।दरअसल, विवाद की शुरुआत अखिलेश यादव के उस बयान से हुई जिसमें उन्होंने अपने पुराने गठबंधन सहयोगियों को लेकर तंज कसते हुए कहा था कि ‘हमने चवन्नी को रुपया बना दिया, फिर भी लोग छोड़कर चले गए।’ अखिलेश के इस बयान को जयंत चौधरी ने गंभीरता से लिया और इसे जाट समाज के सम्मान से जोड़ते हुए आपत्ति जताई। इसके बाद मायावती ने भी जयंत चौधरी का समर्थन किया और अखिलेश यादव से बयान पर माफी मांगने की मांग की। अब अखिलेश के ताजा बयान ने इस विवाद को एक नया राजनीतिक मोड़ दे दिया है। उन्होंने सीधे जयंत का नाम लिए बिना बीजेपी के सहयोगी दलों के लिए अधिक सीटों की बात उठाई है। ऐसे में ‘चवन्नी’ विवाद अब केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि 2027 के चुनाव में गठबंधन और सीट बंटवारे की संभावित रणनीति से भी जुड़ता नजर आ रहा है। इस पूरे विवाद की एक अहम कड़ी अखिलेश यादव का वह दावा भी है, जिसमें उन्होंने NDA के संभावित सीट बंटवारे का जिक्र किया था। अखिलेश ने सूत्रों के हवाले से कहा था कि 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में बीजेपी अपने सहयोगी दलों के बीच कुल 162 सीटें बांट सकती है। उनके दावे के मुताबिक RLD को 73, सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी को 39, निषाद पार्टी को 31 और अपना दल (एस) को 19 सीटें मिल सकती हैं। हालांकि, इन आंकड़ों को लेकर बीजेपी या उसके सहयोगी दलों की ओर से आधिकारिक सीट बंटवारा घोषित नहीं किया गया है। ऐसे में अखिलेश का यह दावा फिलहाल राजनीतिक बयान के तौर पर ही देखा जा रहा है।

हत्या की सुपारी लेने वाले दो शूटरों समेत चार साजिशकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया

हजरतगंज के डालीगंज स्थित रिवेरा कॉलोनी निवासी कारोबारी व मदरसा संचालक इरफान अहमद की हत्या की सुपारी लेने वाले दो शूटरों और चार साजिशकर्ताओं को हजरतगंज पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एडीसीपी मध्य जितेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि दोनों शूटर सआदतगंज निवासी मो. शाहिद और चौक निवासी मो. जमीर 18 अगस्त को पकड़े गए थे। उनसे हुई पूछताछ के बाद साजिशकर्ता भी पुलिस की गिरफ्त में आ गए। साजिशकर्ताओं में दो अधिवक्ता और इरफान अहमद के एक मदरसे का मैनेजर भी शामिल है। एडीसीपी मध्य जितेंद्र कुमार दुबे ने बताया कि शूटरों के पास से इंदिरानगर मेट्रो स्टेशन से चोरी की गई एक बाइक, एक पिस्टल और मोबाइल फोन बरामद हुआ था। पूछताछ में दोनों ने कारोबारी इरफान अहमद की हत्या के लिए उन्हें दो लाख रुपये की सुपारी मिलने की बात कबूली थी। सुपारी देने की बालों में सआदतगंज निवासी वाहन फाइनेंसर अमन कुरैशी, चौक निवासी अधिवक्ता सुहैल अहमद सिद्दीकी, अधिवक्ता मो. फरहान और ठाकुरगंज के फरीदीपुर निवासी मदरसा मैनेजर कारी बिलाल हाशमी शामिल थे। हजरतगंज रजनीश वर्मा ने बताया पूछताछ में पता चला कि दुबग्गा, चौक और ठाकुरगंज में इरफान अहमद के मदरसे हैं। दुबग्गा वाले मदरसे में आरोपी कारी बिलाल मैनेजर है। जम्मू-कश्मीर में भी कारोबार है। एसीपी ने बताया कि इरफान के पिता नदवा कॉलेज में ट्रस्टी थे। उनकी मौत के बाद इरफान ट्रस्टी बने थो।

यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को लखनऊ में जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में जेन-जी छात्रों के समर्थन और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को यूथ कांग्रेस ने जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। दिल्ली के जंतर-मंतर पर जेन-जी छात्रों के आंदोलन के दौरान हुई पुलिस की कार्रवाई के अलावा पैलेट गन के इस्तेमाल के विरोध में कार्यकर्ताओं ने परिवर्तन चौक से विधानसभा होते हुए राजभवन घेरने के लिए दो किमी से ज्यादा लंबे मार्च का ऐलान किया था। हालांकि, विरोध प्रदर्शन की सूचना मिलते ही तय समय से करीब डेढ़ घंटे पहले ही भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया था। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र व प्रदेश की योगी सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। लखनऊ के परिवर्तन चौक से शुरू हुआ कांग्रेस के युवा छात्रों का मार्च जैसे ही करीब 300 मीटर आगे बाबू केडी सिंह स्टेडियम के पास पहुंचा, वहां पहले से मुस्तैद भारी पुलिस बल ने प्रदर्शनकारियों को बैरिकेड लगाकर रोक लिया। हजरतगंज चौराहे से होते हुए राजभवन की ओर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस की तीखी झड़प और धक्का-मुक्की हुई। इसके बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाते हुए एक-एक कार्यकर्ता को जबरन उठाकर पुलिस वैन में डाला और सीधे इको गार्डन भेज दिया। इस हंगामे के चलते स्टेडियम चौराहे पर कुछ देर तक जाम की स्थिति बनी रही, जिसे बाद में पुलिस ने नियंत्रित किया। यूथ कांग्रेस के इस बड़े प्रदर्शन का नेतृत्व प्रदेश अध्यक्ष दीपक शिवहरे कर रहे थे। छात्रों की आवाज बुलंद करने के लिए कांग्रेस के यूपी प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, सांसद राकेश राठौर, राष्ट्रीय सचिव जगदीश चंद्र जांगीड़, अब्दुल हन्नान और पूर्व एमएलसी दीपक सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता भी मार्च में शामिल हुए। राजभवन कूच के दौरान पुलिस ने सभी वरिष्ठ नेताओं को हिरासत में ले लिया और प्रदर्शनकारियों के साथ उन्हें भी गाड़ियों में बैठाकर इको गार्डन भेज दिया।

मायावती ने अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला

बसपा प्रमुख मायावती ने समाजवादी पार्टी (सपा) और उसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने सपा प्रमुख के राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) और उसके नेता को लेकर दिए गए ‘चवन्नी से रुपया बना दिया’ वाले बयान को अमर्यादित और शर्मनाक बताया। मायावती ने कहा कि इस बयान के लिए सपा नेतृत्व को रालोद, उसके नेता और पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के परिवार के साथ जाट समाज से भी माफी मांगनी चाहिए। मायावती ने आरोप लगाया कि सपा की राजनीति में विरोधी दलों के साथ-साथ सहयोगी दलों के प्रति भी संकीर्णता और जातिवादी रवैया रहा है। उनके मुताबिक, इसका राजनीतिक लाभ कई मौकों पर भाजपा को मिला और धर्मनिरपेक्ष ताकतें कमजोर हुईं। उन्होंने 1993 में सपा-बसपा गठबंधन बनने और बाद में टूटने का जिक्र करते हुए कहा कि इसके बाद 2 जून 1995 को लखनऊ स्टेट गेस्ट हाउस कांड हुआ। मायावती ने इसे अपने खिलाफ हत्या के षड्यंत्र से जोड़ते हुए सपा पर गंभीर आरोप लगाए।बसपा प्रमुख ने 2019 के लोकसभा चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों के बाद गठबंधन टूट गया और यह सपा के अहंकारी तथा स्वार्थी रवैये का परिणाम था। मायावती ने अखिलेश यादव के पीडीए को लेकर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सपा अपने राजनीतिक हित के अनुसार पीडीए में ‘पी’ की अलग-अलग व्याख्या करती है। साथ ही उन्होंने सपा की पिछली सरकारों पर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और सवर्ण समाज, विशेषकर ब्राह्मणों, के हितों की अनदेखी तथा कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर आरोप लगाए।

लखनऊ नगर निगम अपने कांजी हाउस की 243 भैंसों की नीलामी करेगा

लखनऊ नगर निगम अपने कांजी हाउस की 243 भैंसों की नीलामी करेगा। ये भैंसें पारा इलाके की अवैध रूप से चल रही डेयरियों से बीते दिनों उठाई थीं। इनमें 241 भैंस, 1 भैंसा और 1 पड़िया है। नगर निगम ने भैंस के लिए बेस प्राइस 20500 रुपए रखा है। वहीं, नीलामी में शामिल होने के लिए 1 लाख 2 हजार रुपए धरोहर राशि जमा करनी होगी। नीलामी 24 अगस्त को होगी। नगर निगम के पशु कल्याण अधिकारी डॉक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि अभियान के दौरान पकड़े गए अपदूषण कारक पशुओं यानी भैंसों को शहर के अलग-अलग कांजी हाउसों और गोशालाओं में रखा गया है। मेयर और नगर आयुक्त का निर्देश है कि इन अवैध डेयरियों पर हुई कार्रवाई के दौरान पकड़े गए जानवरों को नीलाम किया जाएगा। इससे अवैध डेयरी संचालक इन जानवरों को दोबारा नहीं ले पाएंगे। जिन पशुपालकों के ये मवेशी हैं, वे प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस नीलामी प्रक्रिया में भाग नहीं ले पाएंगे। नीलामी में बोली लगाने के लिए ₹1,02,100 रुपए की धरोहर राशि नकद जमा करनी होगी। सबसे ज्यादा बोली लगाने वाले व्यक्ति के पक्ष में पशुओं की नीलामी की जाएगी। नीलामी समाप्त होने के बाद उच्चतम बोलीदाता को छोड़कर शेष सभी बोलीदाताओं की धरोहर राशि वापस कर दी जाएगी।

पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने स्त्री शिक्षा, मातृत्व, विवाह और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था पर विचार रखे

पत्रिका समूह के प्रधान संपादक गुलाब कोठारी ने कहा कि यह मानना सही नहीं है कि स्त्री शिक्षा के क्षेत्र में हम आगे बढ़ रहे हैं। स्कूल-कॉलेजों में लड़कों और लड़कियों को एक जैसा पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है, जबकि स्त्री शिक्षा का उद्देश्य केवल समान शिक्षा देना नहीं, बल्कि बालिकाओं को उनकी विशिष्ट भूमिका के अनुरूप तैयार करना भी होना चाहिए। जब तक बालिकाओं को उनकी भूमिका का प्रशिक्षण नहीं मिलेगा, तब तक स्त्री शिक्षा के प्रसार के दावे अधूरे रहेंगे। विडंबना यह है कि जिस नारी को समाज को शक्ति देने वाली माना गया है, आज वही सशक्तीकरण की मांग कर रही है। कोठारी शनिवार को अपने उत्तरप्रदेश प्रवास के दौरान लखनऊ के नेशनल पीजी कॉलेज में ‘स्त्री देह से आगे’ विषय पर आयोजित विवेचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पुरुषार्थ और आश्रम व्यवस्था के चिंतन को हमने ठीक से समझा ही नहीं है। हमारे शास्त्र वैज्ञानिक भाव से लिखे गए हैं और उन्हें भी विज्ञान की दृष्टि से समझने की आवश्यकता है। हमारे भीतर एक ही ईश्वर विद्यमान है, यही मूल ज्ञान है। उन्होंने कहा कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में किताबों से भावनात्मकता और संवेदनशीलता का पक्ष लगभग गायब हो गया है, जबकि मां का पहला गुण ही संवेदनशीलता है। बालिका के व्यक्तित्व और उसकी भूमिका को समझे बिना केवल लड़के और लड़की को समान पाठ्यक्रम पढ़ाना शिक्षा की पूर्णता नहीं हो सकती। इससे पूर्व कॉलेज प्राचार्य देवेन्द्र कुमार सिंह कोठारी का स्वागत किया। सिंह ने अपने संबोधन में संस्थान द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन पत्रिका के डिप्टी एडिटर हरीश पाराशर ने किया। विवाह जैसे संस्कार की चर्चा करते हुए कोठारी ने कहा कि भारतीय परंपरा में विवाह शरीर का नहीं, आत्मा का संबंध है। इस भाव को नहीं समझने के कारण ही विवाह के दूसरे रूप सामने आने लगे हैं। दो आत्माओं के मिलन का भाव भी वैज्ञानिक है। विवाह के बाद स्त्री की यात्रा आत्मा के स्तर पर शुरू होती है। उन्होंने कहा कि संतान के जन्म के संदर्भ में भी हमारी प्रार्थना यही रही है कि घर में अच्छी आत्मा आए। मां की शक्ति ही ऐसी है कि वह आने वाली आत्मा को पहचानती है और उसके संस्कार निर्माण की जिम्मेदारी निभाती है। कोठारी ने कहा कि बालिकाओं में प्रारंभ से ही मातृत्व का भाव मौजूद होता है, जबकि बालकों में यह भाव धीरे-धीरे विकसित होता है। सृष्टि की इस स्वाभाविक भिन्नता को समझना जरूरी है। उन्होंने कहा कि समाज में लड़कों की कमियों को अक्सर स्वीकार कर लिया जाता है, लेकिन लड़कियों के मामले में अधिक सतर्कता बरती जाती है।

उन्नाव में स्कूलों की सुरक्षा पर प्रशासन सख्त

डीएम-एसएसपी ने कस्तूरबा विद्यालय का किया औचक निरीक्षण

उन्नाव में शिक्षण संस्थानों के लगातार निरीक्षण के क्रम में शनिवार दोपहर जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, टीकरगढ़ी का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों ने विद्यालय और छात्रावास की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा छात्राओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। यह निरीक्षण हसनगंज के न्योतनी स्थित जैन अल्फा स्कूल में हाल ही में हुए प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन की सक्रियता का हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान, डीएम और एसएसपी ने विद्यालय परिसर में छात्राओं के रहने, पढ़ाई और सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं का गहन अवलोकन किया। उन्होंने विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं की भी जानकारी ली। इस दौरान विद्यालय के शिक्षकों और कर्मचारियों से संवाद कर छात्राओं की पढ़ाई, सुरक्षा और उनकी सकुशलता के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की गई। अधिकारियों ने विद्यालय प्रशासन से छात्राओं की दैनिक गतिविधियों और उन्हें प्रदान की जा रही सुविधाओं के बारे में भी पूछताछ की। छात्रावास में छात्राओं की सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश-निकास प्रणाली और अन्य संबंधित व्यवस्थाओं को लेकर भी आवश्यक जानकारी जुटाई गई। जिलाधिकारी ने विद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं को बेहतर शैक्षणिक माहौल उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया। जिलाधिकारी घनश्याम मीणा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जय प्रकाश सिंह ने विद्यालय प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए कि छात्राओं की सुरक्षा में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने छात्राओं को सुरक्षित और भयमुक्त वातावरण प्रदान करने पर बल दिया। साथ ही, यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि शिक्षण कार्य बेहतर ढंग से संचालित हो, ताकि छात्राओं की पढ़ाई किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो। प्रशासनिक अधिकारियों ने दोहराया कि विद्यालय में छात्राओं की सुरक्षा और सकुशलता सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने किसी भी समस्या की स्थिति में तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचित करने के निर्देश दिए। विद्यालय प्रशासन से परिसर में व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने और छात्राओं की समस्याओं का समय पर समाधान करने को भी कहा गया। उल्लेखनीय है कि हसनगंज के न्योतनी स्थित जैन अल्फा स्कूल में हुए प्रदर्शन के बाद से जिला प्रशासन और पुलिस शिक्षण संस्थानों की व्यवस्थाओं को लेकर लगातार सक्रिय हैं। इसी कड़ी में जिले के विभिन्न स्कूलों और छात्रावासों का निरीक्षण किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना है। साथ ही छात्र-छात्राओं के लिए बेहतर और सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना है।

विकासखंड नवाबगंज में शनिवार को पांच दिवसीय एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी) प्रशिक्षण का समापन हुआ।

विकासखंड नवाबगंज में शनिवार को पांच दिवसीय एफएलएन (फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरसी) प्रशिक्षण का समापन हुआ। इस अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी शुचि गुप्ता ने शिक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान सिखाई गई शिक्षण विधियों को कक्षा में प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। गुप्ता ने विशेष रूप से भाषा, गणित, अंग्रेजी और पर्यावरण विषयों में बताई गई शिक्षण विधियों के प्रयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इन विधियों का उपयोग बच्चों की बुनियादी शिक्षा को मजबूत करने में सहायक होगा। प्रशिक्षण के दौरान एआरपी (एकेडमिक रिसोर्स पर्सन) मोहम्मद हारून, धर्मेंद्र देव, शौर्या शर्मा, ओम शुक्ला और आशुतोष सिंह ने शिक्षकों को निपुण लक्ष्य सहित विभिन्न आवश्यक शैक्षिक योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। एआरपी ने शिक्षकों से बच्चों की बुनियादी शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए नियमित रूप से नवाचारों का प्रयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने नवाबगंज ब्लॉक को 'निपुण ब्लॉक' बनाने के लिए सभी शिक्षकों से मिलकर प्रयास करने की अपील भी की। प्रशिक्षण में शिक्षक-शिक्षिकाओं के साथ केंद्र के प्रधानाचार्य पारस भी उपस्थित रहे। समापन समारोह में शिक्षकों को सीखे गए तरीकों को विद्यालयों में अनिवार्य रूप से लागू करने पर बल दिया गया।

उन्नाव सदर तहसील परिसर में लेखपालों ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया

अयोध्या में एंटी करप्शन टीम द्वारा एक लेखपाल के खिलाफ की गई कार्रवाई के विरोध में शनिवार को उन्नाव सदर तहसील परिसर में लेखपालों ने एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। लेखपालों ने इस कार्रवाई को अनुचित बताते हुए नाराजगी व्यक्त की और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। यह प्रदर्शन प्रदेश स्तर पर चल रहे विरोध-प्रदर्शनों के समर्थन में आयोजित किया गया था। सदर तहसील परिसर में धरने पर बैठे लेखपालों ने अयोध्या में अपने साथी के खिलाफ हुई कार्रवाई पर कई सवाल उठाए। लेखपालों का कहना है कि किसी भी कर्मचारी के खिलाफ कार्रवाई से पहले तथ्यों की पूरी तरह जांच की जानी चाहिए और मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है। उन्होंने जोर दिया कि वे भ्रष्टाचार का समर्थन नहीं करते, लेकिन कार्रवाई नियमों और निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत होनी चाहिए। लेखपाल रितेश पाण्डेय ने बताया कि अयोध्या में लेखपाल के साथ हुई कार्रवाई के विरोध में पूरे प्रदेश में विरोध दर्ज कराया जा रहा है। इसी क्रम में उन्नाव सदर तहसील में भी लेखपालों ने यह एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि संगठन की ओर से इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। प्रदर्शन के दौरान लेखपालों ने अपनी मांगों को अधिकारियों के समक्ष भी रखा। उन्होंने अयोध्या प्रकरण में निष्पक्ष जांच कराकर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने की अपील की। लेखपालों ने एकजुट होकर कार्रवाई का विरोध किया और संगठन के निर्देशानुसार आगे भी आंदोलन करने की बात कही। धरना-प्रदर्शन के चलते तहसील परिसर में कुछ समय के लिए माहौल गर्म रहा, हालांकि यह शांतिपूर्ण रहा। लेखपालों ने स्पष्ट किया कि उनका उद्देश्य किसी विभागीय कार्रवाई में बाधा डालना नहीं, बल्कि अपने साथी के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करना है।

गुणवत्ता सुधार के साथ काम समय पर पूरा करने के निर्देश

उन्नाव में कानपुर पुल बायां किनारा रेलवे स्टेशन पर चल रहे अमृत भारत स्टेशन परियोजना के निर्माण कार्य का शनिवार को डायरेक्टर गति शक्ति स्टेशन डेवलपमेंट एमएस नेगी ने गहन निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्य में कई खामियां मिलने पर उन्होंने संबंधित विभाग के कर्मचारियों को फटकार लगाई। उन्होंने कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। स्टेशन डेवलपमेंट डायरेक्टर एमएस नेगी सड़क मार्ग से स्टेशन पहुंचे। उनके साथ गति शक्ति एक्सईएन डॉ. एससी श्रीवास्तव, आईओडब्ल्यू अभिषेक मिश्रा, टीम लीडर और इंजीनियर पंकज दिवाकर भी मौजूद रहे। डायरेक्टर ने सबसे पहले स्टेशन बिल्डिंग के लिए तैयार किए जा रहे प्लेटफॉर्म का निरीक्षण किया और निर्माण कार्य की प्रगति देखी। प्लेटफॉर्म पर चल रहे कंक्रीट कार्य में उन्हें खामी मिली। खामी मिलने पर उन्होंने संबंधित कर्मचारी को फटकार लगाते हुए निर्माण कार्य में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी काम निर्धारित मानकों के अनुरूप होने चाहिए। जहां भी खामी मिली है, उसे तत्काल दुरुस्त कराया जाए। उन्होंने कंक्रीट का कार्य दोबारा कराने के निर्देश भी दिए। इसके बाद डायरेक्टर ने स्टेशन परिसर का निरीक्षण किया। यहां कई स्थानों पर टिनशेड से पानी टपकता मिला। बारिश के दौरान यात्रियों और कर्मचारियों को होने वाली परेशानी को देखते हुए उन्होंने परिसर में नया टिनशेड लगाने का आदेश दिया। डायरेक्टर ने अधिकारियों से परियोजना की प्रगति और आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान निर्माण कार्यों की गति प्रभावित होती है, जिससे परियोजनाएं निर्धारित समय से पीछे हो जाती हैं। अब मानसून समाप्ति की ओर है, इसलिए लंबित कार्यों में तेजी लाकर उन्हें समय से पूरा कराने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों और निर्माण एजेंसी को गुणवत्ता से समझौता किए बिना सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूरा कराने के निर्देश दिए। डायरेक्टर करीब तीन बजे तक स्टेशन पर निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते रहे। इसके बाद सड़क मार्ग से दिल्ली के लिए रवाना हो गए।

अटेवा पेंशन बचाओ मंच के तत्वावधान में रामलीला मैदान से तिरंगा यात्रा निकाली गई

अटेवा पेंशन बचाओ मंच के तत्वावधान में रामलीला मैदान से तिरंगा यात्रा निकाली गई। जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचकर पुरानी पेंशन बहाल करने का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को प्रेषित मांगपत्र अतिरिक्त मजिस्ट्रेट को दिया गया। तिरंगा यात्रा में शामिल शिक्षक व कर्मचारी राष्ट्रीय ध्वज और पुरानी पेंशन बहाल करो की तख्तियां लेकर शामिल हुए। नेतृत्व जिला संयोजक अर्पित मिश्रा ने किया। पीएसपीएसए के जिलाध्यक्ष संजीव शंखवार, महामंत्री प्रदीप वर्मा, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी और ज्ञानेंद्र कुशवाहा ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारा अधिकार है। इससे वंचित नहीं किया जा सकता। अपने हक हम लोग लेकर रहेंगे। इस दौरान अटेवा के जिला महामंत्री राजकरन, संयोजक महेंद्र सिंह, प्रदीप यादव, सौरभराज भारती, उमेश कुमार मौर्य सहित सभी प्राथमिक एवं जूनियर सहित माध्यमिक शिक्षक संगठन, स्वास्थ्य विभाग, पीडब्ल्यूडी विभाग, सिंचाई विभाग, पंचायत राज विभाग, राजस्व विभाग, समाज कल्याण विभाग, कृषि विभाग के समस्त संगठन के पदाधिकारी शामिल रहे।

सांसद साक्षी महाराज ने अपने कार्यालय में जनता दर्शन किया और लोगों की समस्याएं सुनीं

उन्नाव में सांसद साक्षी महाराज ने शनिवार सुबह अपने कार्यालय में जनता दर्शन किया और लोगों की समस्याएं सुनीं। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री पद को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनाव के बाद मुख्यमंत्री तय किया जाएगा। उन्होंने अपनी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से लोधी समाज की अनदेखी न करने की अपील भी की। साक्षी महाराज ने स्पष्ट किया कि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी है और यहां सभी निर्णय लोकतांत्रिक प्रक्रिया से होते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद नेता तय करेंगे कि मुख्यमंत्री कौन होगा। सांसद ने जोर देकर कहा कि इतने बड़े और समर्पित समाज की अनदेखी नहीं की जा सकती। अखिलेश यादव के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए साक्षी महाराज ने उन्हें 'पूरी तरह भ्रमित' बताया। उन्होंने कहा कि अखिलेश कभी PDA का अलग अर्थ बताते हैं, तो कभी परिस्थितियों के अनुसार उसके शब्दों का अर्थ बदल देते हैं। साक्षी महाराज ने सवाल उठाया कि जो व्यक्ति स्वयं भ्रमित है, वह समाज को क्या मार्गदर्शन देगा। मुख्यमंत्री बनने की संभावना और अपनी पांच प्राथमिकताओं के सवाल पर साक्षी महाराज ने कहा कि वह इस दौड़ में नहीं हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह दिन में भी ऐसे सपने नहीं देखते। उन्होंने मोदी और अमित शाह के नेतृत्व में किए गए कार्यों के कारण पार्टी के साथ रहने की बात कही। साक्षी महाराज ने यह भी बताया कि राजनीति उनका धर्म नहीं है और वह निर्देश मिलने तक ही इसमें रहेंगे, जिसके बाद अपने आश्रम में सेवा करेंगे। अपनी सुरक्षा बढ़ाए जाने और बुलेटप्रूफ जैकेट मिलने के सवाल पर उन्होंने खुद को 'एक्सीडेंटली नेता' बताया। उन्होंने कहा कि वह मूल रूप से संत हैं और उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि वह भी बड़े नेता हैं। सरकार की ओर से बुलेटप्रूफ जैकेट मिलने पर उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सरकार का आभार व्यक्त किया। दिल्ली में जाति आरक्षण के विरोध में प्रदर्शन कर रहे लोगों पर हुए लाठीचार्ज के संबंध में उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से अपनी बात रखना सभी का अधिकार है।

राम मंदिर निर्माण में 60 काम पूरे अब ड्रेनेज से संग्रहालय तक पर फोकस

अयोध्या में राम मंदिर परिसर के करीब 70 निर्धारित निर्माण कार्यों में से लगभग 60 पूरे हो चुके हैं।अब जलभराव की समस्या दूर करने के साथ संग्रहालय, ऑडिटोरियम और ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण को गति दी जाएगी।वहीं सफाई एजेंसियों के कर्मचारियों के वेतन बकाया और ट्रस्ट की आंतरिक व्यवस्थाओं से जुड़े मुद्दे भी समीक्षा के केंद्र में हैं।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। राम मंदिर निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि तय किए गए करीब 70 निर्माण कार्यों में से लगभग 60 पूरे हो चुके हैं। अब परिसर में जलभराव की समस्या दूर करने के लिए सीवेज और ड्रेनेज व्यवस्था को मुख्य नाले से जोड़ने का काम किया जाएगा। इसके अलावा संग्रहालय, ऑडिटोरियम और ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण पर भी जोर दिया जा रहा है। संग्रहालय की गैलरी नंबर सात पर करीब 5 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि तय किए गए करीब 70 कामों में से लगभग 60 काम पूरे हो चुके हैं। विभिन्न एजेंसियों ने जिन निर्माण कार्यों को पूरा कर दिया है, उन्हें ट्रस्ट को सौंप दिया गया है। अब इन कामों के रखरखाव की जिम्मेदारी भी ट्रस्ट की होगी। मंदिर परिसर में बारिश के दौरान पानी जमा होने की समस्या को देखते हुए सीवेज और ड्रेनेज व्यवस्था को मुख्य नाले से जोड़ा जाएगा। इससे परिसर में जलभराव की समस्या कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। निर्माण समिति के चेयरमैन ने बताया कि संग्रहालय, ऑडिटोरियम और ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संग्रहालय की गैलरी नंबर सात पर करीब पांच करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यहां प्रवेश शुल्क लिया जाएगा या नहीं, इसका फैसला ट्रस्ट करेगा।राम मंदिर निर्माण कार्यों की समीक्षा के लिए बैठक का शुक्रवार अंतिम दिन है। बैठक में राम मंदिर ट्रस्ट के सचिव जगदीश आफले, सीबीआरआई के पूर्व चेयरमैन एके मित्तल, यश मित्तल समेत अलग-अलग एजेंसियों के अधिकारी मौजूद रहे। राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी की घटना के बाद त्यागपत्र दे चुके चंपत राय की एक चिट्ठी गुरुवार को वायरल हुई थी। इसमें ट्रस्ट की लेन-देन व्यवस्था और आंतरिक व्यवस्था से जुड़ी जानकारी होने का दावा किया गया था। चंपत राय के पत्र में अपना नाम होने के सवाल पर नृपेंद्र मिश्र ने कहा कि पत्र को हमने नहीं देखा है। फिलहाल विवाद पैदा करने की कोशिश की जा रही है। राम मंदिर के सीईओ की नियुक्ति के लिए हुए साक्षात्कार से जुड़े सवाल पर उन्होंने कहा कि वह इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं और उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। सफाई व्यवस्था में लगी कंपनी बीवीजी के कर्मचारियों को अप्रैल, मई, जून और जुलाई यानी चार महीने का वेतन नहीं मिला है। वहीं, राम मंदिर के बाहर परिसर से लेकर तीर्थ यात्री सेवा केंद्र और अंगद टीला तक सफाई की जिम्मेदारी यूनी प्वाइंट और जिलाजीत के पास है। इन दोनों एजेंसियों के कर्मचारियों का मई, जून और जुलाई का तीन महीने का वेतन बकाया बताया गया है। भुगतान लंबित रहने के कारण इन एजेंसियों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होने लगी है। मंदिर निर्माण से जुड़े बाकी कामों के साथ इन एजेंसियों के भुगतान और व्यवस्थाओं पर भी ट्रस्ट की ओर से आगे की कार्रवाई पर नजर रहेगी।

सहारनपुर में कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए SSP अभिनन्दन सिंह ने बड़ा फेरबदल किया

सहारनपुर में कानून व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिनन्दन सिंह ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल किया है। एसएसपी ने करीब दो दर्जन थाना प्रभारियों और पुलिस अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई जिम्मेदारियां सौंपी हैं। तबादला सूची में कई ऐसे निरीक्षक और उपनिरीक्षक भी शामिल हैं, जो पुलिस लाइन या अन्य शाखाओं में तैनात थे और अब उन्हें थानों की कमान दी गई है। फेरबदल के तहत निरीक्षक राजीव कुमार कौशिक को प्रभारी निरीक्षक थाना कोतवाली नगर, संदीप बालियान को देवबंद, वीरेंद्र सिंह को मंडी और प्रमोद कुमार को फतेहपुर की जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षक ज्ञानेश्वर बौद्ध को नकुड़, नेमचंद सिंह को सदर बाजार, प्रदीप कुमार को जनकपुरी, राधेश्याम यादव को नागल, राकेश कुमार को रामपुर मनिहारान और धर्मेंद्र कुमार को गागलहेड़ी थाने का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। इसके अलावा उपनिरीक्षक विनोद कुमार को मिर्जापुर, अक्षय शर्मा को चिलकाना, विकास चारण को नानौता, सचिन पुनिया को तीतरों तथा धर्मेंद्र कुमार को बिहारीगढ़ थाने की कमान सौंपी गई है। महिला थाना की जिम्मेदारी निरीक्षक मनतेश रानी को दी गई है। एसएसपी ने अपराध शाखा, साइबर क्राइम थाना और पुलिस लाइन में भी अधिकारियों की तैनाती बदली है। निरीक्षक कपिल देव, सुबे सिंह, चन्द्रसेन सैनी, उमेद कुमार और सतेंद्र सिंह को अपराध शाखा में तैनाती मिली है। निरीक्षक सतपाल सिंह भाटी को साइबर क्राइम थाना भेजा गया है, जबकि संजय कुमार को पुलिस लाइन में तैनात किया गया है।

यूपी में चीनी की कमी नहीं, 179 लाख कुंतल स्टॉक मौजूद: CM योगी ने अफवाहों से सावधान रहने को कहा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रदेशवासियों को भरोसा दिलाया कि राज्य में चीनी की कोई कमी नहीं है इसलिए लोगों को इससे परेशान होने की जरूरत नहीं है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। बयान के अनुसार, योगी ने कहा कि प्रदेश की चीनी मिलों में वर्तमान में 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। उन्होंने बताया कि चीनी मिलों ने जून और जुलाई में 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री की है। मुख्यमंत्री ने एक समीक्षा बैठक में कहा कि सहकारी चीनी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की चीनी मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी चीनी मिलों में 150.50 लाख कुंतल चीनी उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि जून और जुलाई में चीनी मिलों द्वारा बेची गई 235 लाख कुंतल चीनी में से अधिकांश अभी भी खुले बाजार में उपलब्ध है। आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलों का संचालन 15 अक्टूबर से शुरू किया जाए। योगी ने लोगों से अपील की कि चीनी की कमी की बात कहकर भ्रम फैलाने वालों से सावधान रहें। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों को चीनी की कालाबाजारी करने और अफवाह फैलाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने भारत सरकार के निर्देशों का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी डीलर 30 दिन से अधिक का चीनी भंडार नहीं रख सकेगा और एक समय में 400 टन से अधिक चीनी का भंडारण भी नहीं कर सकेगा। उन्होंने कहा कि प्रति माह 10 मीट्रिक टन चीनी की खपत करने वाले थोक उपभोक्ता भी 15 दिन से अधिक का भंडार नहीं रख सकेंगे। उन्होंने कहा कि चीनी मिलें भी अपने मासिक कोटे के तहत बेची गई चीनी को बिक्री की तारीख से सात दिन से अधिक समय तक गोदाम में नहीं रखेंगी।

बस्ती से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सभी को चौंका दिया

उत्तर प्रदेश के बस्ती से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने सभी को चौंका दिया है। यहां पर एक बेटी ने अपने पिता की प्रेमी के साथ मिलकर हत्या कर दी। नाबालिग बेटी को पिता की प्रेम को लेकर रोक-टोक इतनी नागवार गुजरी कि आरोप है कि बेटी ने प्रेमी के साथ मिलकर उनकी की जान ले ली। हत्या के बाद शव को गमछे से बांधकर नहर में छिपा दिया गया। लेकिन देर शाम पिता के घर नहीं पहुंचने पर भतीजे की तलाश ने इस खौफनाक राज से पर्दा उठा दिया। पुलिस को घटना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार करने के साथ उनसे पूछताछ कर रही है और पूरे मामले की जांच की जारी है। बस्ती में सामने आई इस घटना को लेकर पुलिस के अनुसार छावनी थाना क्षेत्र में 52 साल के कृष्णा की हत्या के मामले में उनकी 17 साल की नाबालिग बेटी और उसके प्रेमी पर हत्या का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक दोनों के बीच करीब दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पिता इस रिश्ते का विरोध करते थे और 21 अगस्त को गन्ने के खेत में पिता ने बेटी और उसके प्रेमी को साथ देख लिया। आरोप है कि विवाद के बाद दोनों ने मिलकर कृष्णा पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। हत्या के बाद बेटी और उसके प्रेमी पर शव को नहर में छिपाने का भी आरोप है। फिलहाल पुलिस दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। बस्ती के छावनी थाना क्षेत्र का रमवापुर गांव जहां एक पिता की हत्या ने पूरे इलाके को हिलाकर रख दिया। मृतक कृष्णा मजदूरी करके परिवार का पालन-पोषण करते थे और पुलिस के अनुसार उनकी 17 साल की बेटी दुर्गा उर्फ लाडली का पड़ोसी गांव बभरौली निवासी लक्ष्मण से करीब पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था।